Website : www.mantrabharat.com

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

जुनून है सच लिखने का

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 248
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 14 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 भोसला रक्षा विश्वविद्यालय रक्षा उत्पादन उद्योग ... 4 अनिश्चित भविष्य एवं आभासी दुनिया से ... 7 केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने ....

संक्षिप्त न्यूज

जंगलराज पर नड्डा ने RJD को घेरा, तेजस्वी से पूछा- लालू के बयानों पर कब मांगेंगे माफ़ी?

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज बिहार दौरे पर हैं। बिहार में एक कार्यक्रम के दौरान नड्डा ने कहा कि बिहार के बारे में चर्चा करें तो दो तस्वीर सामने आती है,- एक अंधकारमय बिहार और दूसरा उजाले की ओर बढ़ता बिहार। पहले वोटबैंक के लिए तुष्टिकरण की राजनीति होती थी, हर काम में भ्रष्टाचार होता था, हत्या-अपहरण आम बात हो गई थी। आज एनडीए सरकार में बिहार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश जी नेतृत्व में बिहार कई बड़े बदलाव हुए हैं। मुझे खुशी है कि महिला सशक्तिकरण में बिहार ने अपने आप को साबित किया है।

जेपी नड्डा ने विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि INDI Alliance के नेता सिर्फ सत्ता के भूखे हैं, यही इनका विजन और मिशन है। उन्हें सिर्फ अपने स्वार्थ से मतलब है, बिहार या भारत की जनता से कोई मतलब नहीं। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर लालू यादव कहते थे- रोड बना देंगे तो पुलिस जल्दी पहुंच जाएगी और जानवरों के खुर खराब हो जाएंगे। पलायनवाद पर लालू महिमामंडन करते थे- बिहार का लोग गमछा पहनकर जाता है, सूट पहनकर लौटता है। आज तक राजद ने माफी नहीं मांगी!

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और बाकी विपक्ष ने राजनीति को निम्नतम स्तर पर पहुंचा दिया है। पहले इनके मंच से मोदी जी की माता जी को गालियां दी गई और कल कांग्रेस का जो वीडियो आया है वो इस बात का प्रमाण है कि उनकी सोच कितनी गंदी है।

पीएम मोदी का मणिपुर को संदेश

मैं आपके साथ खड़ा हूं, नई सुबह दूर नहीं!

इंफाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2023 में हुई हिंसा के बाद अपनी पहली मणिपुर यात्रा के दौरान शनिवार को मणिपुर के विभिन्न जातीय समूहों से हिंसा का त्याग करने और राज्य में शांति बहाल करने की दिशा में काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्य में 'आशा और विश्वास' का एक नया सवेरा उभर रहा है। चुराचनपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने जनता को केंद्र की ओर से सहयोग का आश्वासन दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं सभी समूहों से अपने सपनों को साकार करने और अपने बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए शांति के मार्ग पर चलने की अपील करता हूँ। आज, मैं वादा करता हूँ कि मैं आपके साथ खड़ा हूँ। भारत सरकार मणिपुर के लोगों के साथ खड़ी है। आज इम्फाल हवाई अड्डे पर पहुँचने पर, प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 60 किलोमीटर दूर चुराचांदपुर तक सड़क मार्ग से यात्रा करने का फैसला किया, क्योंकि हेलीकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल तक पहुँचना संभव नहीं था।

चुराचांदपुर में, प्रधानमंत्री ने जातीय हिंसा में विस्थापित लोगों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की।

मौसम उनके लिए हेलीकॉप्टर से चुराचांदपुर जाने के अनुकूल नहीं था।

भारी बारिश के बावजूद, प्रधानमंत्री ने सड़क मार्ग से कार्यक्रम स्थल पहुँचने का फैसला किया ताकि वे लोगों से बातचीत कर सकें, हालाँकि यह सड़क मार्ग से डेढ़ घंटे की दूरी पर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि मणिपुर हमेशा से आशाओं का प्रदेश रहा है, लेकिन दुर्भाग्य से, यह हिंसा के एक कठिन दौर से गुज़रा है। मैंने शिविरों में रह रहे प्रभावित लोगों से मुलाकात की। उनसे बातचीत के बाद, मैं कह सकता हूँ कि उम्मीद और विश्वास की नई सुबह मणिपुर में दस्तक दे रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के कई जातीय समूहों के साथ हाल ही में हुए शांति समझौतों पर संतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए शांति अत्यंत महत्वपूर्ण है। पिछले 11 वर्षों में, पूर्वोत्तर में कई संघर्ष समाप्त हुए हैं। लोगों ने विकास को प्राथमिकता देते हुए शांति का मार्ग चुना है। मुझे खुशी है कि पहाड़ियों और घाटियों में कई समूहों के साथ समझौता वार्ता शुरू हो गई है। यह संवाद, सम्मान और आपसी समझ के साथ शांति स्थापित करने की सरकार की पहल का एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'बेघर हुए लोगों के लिए हम 7,000 घर बनाने हेतु सहायता दे रहे हैं। 3,000 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की भी घोषणा की गई है।'

मई 2023 में राज्य में जातीय संघर्ष छिड़ने और मैतेई व कुकी समुदायों के बीच पिछले कुछ वर्षों से जारी मतभेद के बाद प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली यात्रा है। इस संघर्ष ने मणिपुर को स्थायी क्षति पहुँचाई है, इसकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचाया है, सामाजिक समरसता को छिन्न-भिन्न किया है और इसके राजनीतिक परिदृश्य को अस्थिर किया है। मणिपुर में सांस्कृतिक विविधता और विकास परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'इस क्षेत्र की सांस्कृतिक विविधता और जीवंतता भारत की एक बड़ी ताकत है। मणिपुर के नाम में ही 'मणि' (मोती) है। यही वह 'मणि' है जो भारत को चमकाएगी। भारत सरकार ने हमेशा मणिपुर को विकास के पथ पर आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। कुछ समय पहले ही लगभग 7000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है। इन परियोजनाओं से जनता और पहाड़ों में रहने वाले आदिवासी समुदायों का जीवन बेहतर होगा। इन परियोजनाओं से स्वास्थ्य और शिक्षा की नई सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। मैं इन परियोजनाओं के लिए जनता को बधाई देता हूँ।'

क्या केंद्र का वक्फ कानून सही है? 15 सितंबर को आएगा फैसला, CJI की पीठ करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह में अंतरिम राहत के मुद्दे पर अपना आदेश सुनाने वाला है। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कानून के प्रावधानों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर 22 मई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट की कार्यसूची के अनुसार, सीजेआई सोमवार, 15 सितंबर को सुबह 10.30 बजे वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के रूप में पंजीकृत मामले में आदेश सुनाएंगे।

अदालत ने तीन दिनों तक दलीलें सुनीं, जिसमें केंद्र ने तर्क दिया कि संसद द्वारा विधिवत पारित कानून के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के लिए केवल कानूनी प्रस्ताव या काल्पनिक तर्क पर्याप्त नहीं हैं। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दावा किया कि वक्फ प्रबंधन ने स्मारकों का दुरुपयोग किया है, दुकानों के लिए कमरे बनाए हैं और अनधिकृत परिवर्तन किए हैं। केंद्र ने पहले आश्वासन दिया था कि किसी भी वक्फ संपत्ति, जिसमें उपयोगकर्ता द्वारा स्थापित संपत्तियां भी शामिल हैं, को गैर-अधिसूचित नहीं किया जाएगा। उसने यह भी कहा था कि 2025 के अधिनियम के तहत केंद्रीय वक्फ परिषद या राज्य वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों की नियुक्ति नहीं की जाएगी। 25 अप्रैल को केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने संशोधित वक्फ अधिनियम, 2025 का बचाव करते हुए एक प्रारंभिक हलफनामा दायर किया। केंद्र ने संसद द्वारा पारित संवैधानिकता की धारणा वाले किसी भी कानून पर अदालत द्वारा किसी भी तरह की पूर्ण रोक लगाने का विरोध किया था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि इस मामले में केवल पाँच याचिकाओं को ही मुख्य याचिका माना जाएगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि अन्य रिट याचिकाओं को हस्तक्षेप याचिका माना जाएगा।

राजग 2029 में केंद्र की सत्ता में वापसी करेगाः एन चंद्रबाबू नायडू

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार 2029 में लगातार चौथी बार सत्ता में लौटेगी। एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले 11 सालों से जीत रहे हैं, तीसरा चुनाव खत्म हो गया। चौथा चुनाव भी, लिख लीजिए, फिर से राजग ही सत्ता में लौटेगा। इसमें कोई शक नहीं है। इस देश के भविष्य के लिए राजग का आना जरूरी है।'' उन्होंने 11 सालों में भारत को 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए मोदी की तारीफ की। नायडू ने कहा कि अमरावती में शुरू किए गए सभी कार्य अगले तीन वर्षों में पूरे हो जाएंगे, जिनमें 50,000 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि ग्रीनफील्ड राजधानी (अमरावती) का बुनियादी ढांचा 2028 तक तैयार हो जाएगा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमरावती का उद्घाटन करेंगे और इसे देश को समर्पित करेंगे।

न्हावा शेवा बंदरगाह पर 12 करोड़ के पाकिस्तानी सौंदर्य प्रसाधन और सूखे खजूर जब्त, दो गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने नवी मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर पाकिस्तान से आए करीब 12 करोड़ की कीमत के सामान से भरे 28 कंटेनर जब्त किए हैं। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तारभी किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया, ये कंटेनर सौंदर्य प्रसाधन और सूखे खजूर से भरे हुए थे, जिन्हें दुबई के जेबेल अली बंदरगाह के जरिए इस तरह भेजा गया था कि

उन्हें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) मूल का दिखाया जा सके। लेकिन वास्तव में उनका संबंध पाकिस्तान से था।

'ऑपरेशन डीप मैनीफेस्ट' नाम के अभियान के तहत देश की शीर्ष तस्करी-रोधी एजेंसी ने करीब 800 टन माल जब्त किया है। इस सामान को तीन भारतीय आयातकों ने खरीदा था, जो सरकार के पाकिस्तान-मूल के सामान के आयात पर रोक के नियमों का उल्लंघन है।

डीआरआई ने बताया कि माल के असली स्रोत को छिपाने के लिए पाकिस्तान, भारत और यूएई के नागरिकों ने मिलकर जालसाजी की। एक दुबई में में रहने वाले भारतीय व्यक्ति सूखे खजूर के पारगमन के लिए नकली चालान बनाए और अपनी कंपनियों का उपयोग कर समुद्री मार्ग को छिपाया। यह व्यक्ति कमीशन पर काम करता है।

भारत से पाकिस्तान की ओर पैसे भेजने की भी व्यवस्था की गई थी। इसकी आपूर्ति करने वाले व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। एक सीमा शुल्क एजेंट को भी गिरफ्तार किया गया है, जिसने माल की उत्पत्ति गलत बताकर पाकिस्तान से सौंदर्य प्रसाधन तस्करी कराने में मदद की थी।

तीन विधेयकों की जेपीसी जांच पर बोले लोकसभा अध्यक्ष

किसी भी दल ने लिखित में बहिष्कार नहीं किया..

बंगलूरू। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को कहा कि किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें यह लिखित रूप में जानकारी नहीं दी है कि वह संसद की उस संयुक्त समिति (जेपीसी) का बहिष्कार करना चाहता है, जो उन तीन विधेयकों की जांच करेगी, जिसमें गंभीर आरोप में लगातार तीस दिन तक गिरफ्तार रहने वाले उच्च पदस्थ शीर्ष अधिकारियों को पद से हटाने का प्रावधान है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), समाजवादी पार्टी, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और आम आदमी पार्टी पहले ही कह चुकी हैं कि वह समिति का हिस्सा नहीं बनेंगी, वहीं, कांग्रेस ने इस मुद्दे पर अब तक अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है।

ओम बिरला ने एक सवाल के जवाब में कहा, संयुक्त समिति को लेकर किसी भी राजनीतिक दल ने मुझे इस विषय पर लिखित रूप में कुछ नहीं बताया है। मानसून सत्र के अंतिम दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में तीन अहम विधेयक पेश किए थे- केंद्र शासित प्रदेश (संशोधन) विधेयक, संविधान (130वां संशोधन) विधेयक और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक। इन विधेयकों में यह प्रावधान है कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री किसी गंभीर आरोप में लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार रहते हैं, तो उन्हें पद से हटा दिया जाएगा।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने राजनीतिक दलों से अनुरोध किया है कि वे अपने-अपने सांसदों के नाम समिति के लिए भेजें। ओम बिरला ने कहा, जब राजनीतिक दलों से सांसदों के नाम मिल जाएंगे, तब संयुक्त समिति का गठन कर दिया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि संसदीय समितियां राजनीति से ऊपर होती हैं और इनमें सदस्य खुलकर अपने विचार रख सकते हैं।

वहीं, इन विधेयकों का विपक्ष ने तीखा विरोध किया है। विपक्षी दलों का कहना है कि ये विधेयक असांविधानिक हैं और इनका मकसद राज्यों की सत्ता में बैठे नेताओं को निशाना बनाना है। जैसे ही ये विधेयक पेश किए गए, गृहमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष से आग्रह किया कि इन विधेयकों को जांच के लिए संयुक्त समिति को भेजा जाए, जिसमें लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य होंगे।

झारखंड के धनबाद में कोयला संयंत्र में 100 फुट ऊंचा भंडारगृह ढहा, फंसे हुए मजदूर को बचाया गया

रांची। झारखंड के धनबाद जिले में 'भारत कोकिंग कोल लिमिटेड' (बीसीसीएल) के कमांड क्षेत्र में थोक सामग्रियों के भंडारण के लिए बनाया गया 100 फुट ऊंचा भंडार गृह ढह गया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मलबे में फंसे एक श्रमिक को बचा लिया गया है। बाघमारा अनुमंडल पुलिस अधिकारी पुरुषोत्तम कुमार सिंह ने बताया कि बाघमारा थाना क्षेत्र के बीसीसीएल ब्लॉक-2 क्षेत्र के मधुबन वाशरी में शुक्रवार देर रात यह हादसा हुआ था। बीसीसीएल के एक अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है। घटनास्थल का दौरा करने वाले बाघमारा के विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा, ''इलाके में तीन भंडारगृह थे। पहले भंडारगृह से बाकी के दो में प्रवेश किया जाता है। जिस भंडारगृह में प्रवेश द्वार था, वह शुक्रवार रात अचानक ढह गया था।'' विधायक ने बताया कि भंडारगृह में काम कर रहा एक मजदूर फंस गया था।

राहुल गांधी उपराष्ट्रपति के शपथ से नदारद, अनुराग ठाकुर का तंजः अब वे भारत विरोधी नेता

नई दिल्ली। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण समारोह में न आने पर आलोचना की और कहा कि वह भारत विरोधी नेता बन गए हैं और जहाँ उनकी ज़रूरत है, वहाँ कहीं नहीं हैं। पत्रकारों से बात करते हुए, ठाकुर ने कहा कि जब संसद का सत्र चल रहा होता है, तो विपक्ष के नेता उसमें शामिल नहीं होते। जब स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है, तो विपक्ष के नेता लाल किले पर समारोह में शामिल नहीं होते। विपक्ष के नेता नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होते।

ठाकुर ने आगे कहा कि जनता ने पहले 10 साल तक किसी नेता को नेता नहीं बनाया। अगर वह तीसरी बार नेता प्रतिपक्ष बने हैं, तो वह विपक्ष के नेता की बजाय भारत विरोधी नेता बन गए हैं... वह वहाँ कहीं नहीं हैं जहाँ उनकी ज़रूरत है। लेकिन राहुल गांधी भारत विरोध में सबसे आगे हैं। शुक्रवार को, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने भी कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और बिहार कांग्रेस द्वारा एआई-जनरेटेड एक वीडियो पोस्ट किए जाने के बाद उन पर 'मानसिक संतुलन खोने' का आरोप लगाया। इस वीडियो में कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां जैसे दो किरदार दिखाए गए थे।

शर्मा ने कहा कि कांग्रेस अपना मानसिक संतुलन खो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी की छवि खराब करने के लिए कांग्रेस नेता उन पर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करना राहुल गांधी का काम बन गया है। वह आज उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए, जबकि वह विपक्ष के नेता हैं...' इस बीच, राज्यसभा सचिवालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार शाम राज्यसभा के सभापति के रूप में पदभार ग्रहण किया। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें पद की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण के बाद, उपराष्ट्रपति ने महात्मा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और चौधरी चरण सिंह की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद वे संसद भवन परिसर गए, जहां केंद्रीय मंत्रियों, उपसभापति हरिवंश और राज्यसभा के महासचिव ने उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने हिन्दी दिवस और जीवित्पुत्रिका व्रत की दी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने हिन्दी दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनायें दी। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भारत विविधताओं का देश है, जहां अनेक भाषाएं बोली जाती हैं। हिन्दी देश में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। हिन्दी भाषा देश के सभी लोगों को एकता के सूत्र में बांधती है। राष्ट्र को एकजुट रखने में हिन्दी का बहुत बड़ा योगदान है। हिन्दी हमारी राष्ट्रीय अस्मिता की पहचान तथा जनमानस की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने राजभाषा हिन्दी के चतुर्दिक विकास की कामना की है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि बिहार में राजभाषा के रूप में हिन्दी सरकारी कामकाज की भाषा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि अपने कामकाज में हिन्दी को ही माध्यम के रूप में अपनाएं तथा गर्व एवं सम्मान के साथ हिन्दी सीखें, समझें एवं प्रयोग में लायें। नीतीश कुमार ने जीवित्पुत्रिका (जिउतिया) व्रत की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी है।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि माताएं अपनी संतान की लंबी उम्र, सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना के साथ यह व्रत करती हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राज्यवासियों के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की है।

'भारत की जीत छिपाने की कोशिश हुई', ऑपरेशन सिंदूर पर खुलकर बोले रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल ढिल्लों

नई दिल्ली। पाकिस्तान की सेना और उसकी नाकामियों पर रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल कंवल जीत सिंह ढिल्लों ने कड़ा हमला बोला है। एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के मौजूदा सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर वह अकेले सेनाध्यक्ष हैं जो युद्ध के दौरान बंकर में छिप गए। ढिल्लों ने यह भी कहा कि पाकिस्तान सेना दुनिया की इकलौती ऐसी सेना है जिसने कभी कोई युद्ध नहीं जीता।

ढिल्लों ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पाकिस्तान ही वह देश है जिसने सबसे बड़ी हार का सामना किया। 1971 में भारत के खिलाफ युद्ध में पाकिस्तान के 93,000 सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया था। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान सेना की नाकामी का सबसे बड़ा उदाहरण है, जिस पर आज भी वह पर्दा डालने की कोशिश करती है।

नैरेटिव सेट करने का खेल

ढिल्लों ने इंटरव्यू में बताया कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष चल रहा था, उस दौरान हथियार बेचने वाली लॉबी दुनिया भर में नैरेटिव बना रही थी। यह तय किया जा रहा था कि किस देश ने कितने विमान खोए। उन्होंने कहा कि अगर भारत को विजेता घोषित किया जाता, तो इसका मतलब होता कि भारतीय, रूसी और फ्रांसीसी हथियार चीनी, तुर्की और पश्चिमी ब्लॉक से बेहतर हैं। यही कारण है कि युद्ध का असली सच छिपाने की कोशिश की गई।

ऑपरेशन सिंदूर का खुलासा

ढिल्लों ने पाकिस्तान द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने दावा किया कि इस ऑपरेशन में उसके 138 सैनिकों और अधिकारियों को शहीद घोषित किया गया। लेकिन असल में यह आंकड़ा कहीं ज्यादा होगा। उन्होंने कहा कि असली हताहतों की संख्या ही यह तय करती है कि युद्ध किसने जीता और किसने हारा।

10 मई का बड़ा हमला और भारत की जीत

ढिल्लों ने विस्तार से बताया कि 10 मई को भारत ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस पर सटीक हमला किया था। उनकी बातों में खास यह था कि पाकिस्तान की एयर डिफेंस कोई भी भारतीय मिसाइल इंटरसेप्ट नहीं कर पाई। न ही पाकिस्तान एयरफोर्स का एक भी विमान भारतीय हमले को रोकने के लिए उड़ान भर सका। ढिल्लों के अनुसार, पाकिस्तान का डीजीएमओ उसी दिन भारतीय डीजीएमओ को फोन कर युद्धविराम की भीख मांग रहा था।

केरल की राजनीति में गहराया ऑडियो क्लिप विवाद, कांग्रेस ने माकपा पर बोला हमला

तिरुवनंतपुरम। केरल की राजनीति में ऑडियो क्लिप विवाद गहराता जा रहा है। कांग्रेस ने शनिवार को डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के दो नेताओं के बीच कथित टेलीफोन बातचीत को लेकर सत्ताधारी सीपीआईएम पर हमला तेज कर दिया। कांग्रेस ने कहा कि इस बातचीत से साफ है कि सभी दागी सौदों में मार्क्सवादी पार्टी के नेताओं की संलिप्तता है। विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कोच्चि में मीडिया से बात करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी चोरों का गिरोह बन गई है और यह खुलासा पिनाराई विजयन सरकार के पतन की शुरुआत होगी।

'माकपा के नेता चोरों का गिरोह'

दरअसल दोनों नेताओं की कथित बातचीत का ऑडियो क्लिप के सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद हो गया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि त्रिशूर में एमके कन्नन और विधायक एसी मोइदीन सहित वरिष्ठ माकपा नेताओं ने संपत्ति अर्जित की है। सतीशन ने कहा कि वामपंथी नेताओं के खिलाफ खुलासे विपक्ष ने नहीं, बल्कि माकपा की युवा शाखा, डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के जिला सचिव ने किए हैं। विपक्ष के नेता ने कहा कि डीवाईएफआई के जिला सचिव के अनुसार, त्रिशूर में माकपा के जिला नेता चोरों का गिरोह हैं। माकपा नेताओं पर त्रिशूर में पुलिस में तैनाती सहित विभिन्न नियुक्तियों के लिए कमीशन लेने के आरोप हैं। इसके चलते कई जिला स्तर के नेता करोड़पति बन गए हैं।

कांग्रेस ने करुवन्नूर सहकारी बैंक घोटाले का किया जिक्र

सतीशन ने करुवन्नूर सहकारी बैंक घोटाले का भी जिक्र किया, जिसमें माकपा के जिला नेताओं पर आरोप लगे थे कि उन्होंने 400 करोड़ रुपये से अधिक की लूट की।

उद्धव के विरोध के बाद नितेश राणे का पलटवार, आदित्य ठाकरे बुर्का पहनकर देखेंगे भारत-पाक मैच

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने एशिया कप 2025 में आगामी भारत बनाम पाकिस्तान मैच का विरोध करने के लिए शनिवार को आदित्य ठाकरे की आलोचना की और कहा कि वह 'बुर्का' पहनकर मैच देखेंगे। राणे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आदित्य ठाकरे भारत-पाकिस्तान मैच बुर्का पहनकर छुपकर देखेंगे। ठाकरे का मज़ाक उड़ाते हुए राणे ने यह भी कहा कि उनकी आवाज़ उनकी पहचान छिपाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि अगर वह बुर्का पहनकर उस आवाज़ में बात करें, तो कौन जानेगा कि वह आदित्य ठाकरे हैं।

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा कि क्या सामना या उद्धव ठाकरे को भारत-पाकिस्तान मैच पर टिप्पणी करने का नैतिक अधिकार है? उद्धव ठाकरे के एक सांसद की रैली के दौरान 'पाकिस्तान ज़िंदाबाद' के नारे लगे, हरे झंडे लहराए गए, हरा गुलाल उड़ाया गया और 'सर तन से जुदा' जैसे नारे लगाए गए। तो फिर उन्होंने तब पाकिस्तान के प्रति गुस्सा क्यों नहीं जताया? इससे देशभक्ति के साथ मिला रही है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए, ठाकरे ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा है। वे कल भी मैच खेलने जा रहे हैं क्योंकि उन्हें उस मैच से मिलने वाला सारा पैसा चाहिए। उद्धव ठाकरे ने आगे घोषणा की कि शिवसेना (यूबीटी) की महिला कार्यकर्ता एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन करेंगी।

उन्होंने कहा कि कल, शिवसेना (यूबीटी) की महिला कार्यकर्ता महाराष्ट्र की सड़कों पर उतरेंगी और वे हर घर से प्रधानमंत्री मोदी को सिंदूर भेजेंगी। इस बीच, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा है कि एसीसी या आईसीसी द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेना देशों के लिए एक बाध्यकारी बात है, लेकिन भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलता है और जब तक देश पर आतंकवादी हमले बंद नहीं हो जाते, तब तक वह इनसे बचता रहेगा। यह बात दोनों देशों के बीच आगामी एशिया कप 2025 मैच से पहले कही गई है।

पहले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को आगामी एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में भारत की भागीदारी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सरकार राजनीति और व्यापार को देशभक्ति के साथ मिला रही है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए, ठाकरे ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो खून और क्रिकेट एक साथ कैसे बह सकते हैं? युद्ध और क्रिकेट एक साथ कैसे हो सकते हैं?... उन्होंने देशभक्ति का धंधा किया है। देशभक्ति का धंधा सिर्फ़ पैसे के लिए है। वे कल भी मैच खेलने जा रहे हैं क्योंकि उन्हें उस मैच से मिलने वाला सारा पैसा चाहिए।

उद्धव ठाकरे ने आगे घोषणा की कि शिवसेना (यूबीटी) की महिला कार्यकर्ता एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने कहा कि कल, शिवसेना (यूबीटी) की महिला कार्यकर्ता महाराष्ट्र की सड़कों पर उतरेंगी और वे हर घर से प्रधानमंत्री मोदी को सिंदूर भेजेंगी। इस बीच, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा है कि एसीसी या आईसीसी द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेना देशों के लिए एक बाध्यकारी बात है, लेकिन भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलता है और जब तक देश पर आतंकवादी हमले बंद नहीं हो जाते, तब तक वह इनसे बचता रहेगा। यह बात दोनों देशों के बीच आगामी एशिया कप 2025 मैच से पहले कही गई है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए, ठाकुर ने कहा, 'जब एसीसी या आईसीसी द्वारा बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, तो देशों के लिए भाग लेना एक मजबूरी और अनिवार्यता बन जाती है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो वे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएँगे, उन्हें मैच छोड़ना होगा और दूसरी टीम को अंक मिलेंगे... लेकिन भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलता है। हमने वर्षों से यह निर्णय लिया है कि जब तक पाकिस्तान भारत पर आतंकवादी हमले बंद नहीं कर देता, तब तक भारत पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट नहीं खेलेगा।'

उद्धव ने उठाया बड़ा सवाल

खून और पानी साथ नहीं तो क्रिकेट-खून कैसे?

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पहलगाम आतंकी हमले के शिकार शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या द्विवेदी ने भी रविवार को एशिया कप 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले आगामी क्रिकेट मैच का बहिष्कार करने का आह्वान किया। उन्होंने एएनआई से कहा, 'मैं इसे समझ नहीं पा रही हूँ। मैं लोगों से इसका बहिष्कार करने का आग्रह करती हूँ। इसे देखने न जाएँ और इसके लिए अपना टीवी भी न चलाएँ।' उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की आलोचना करते हुए कहा कि बोर्ड आतंकी हमले में मारे गए 26 लोगों के परिवारों के प्रति संवेदनशील नहीं है। द्विवेदी ने कहा, 'बीसीसीआई को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच स्वीकार नहीं करना चाहिए था... मुझे लगता है कि बीसीसीआई उन 26 परिवारों और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वालों के प्रति संवेदनशील नहीं है।'

प्रकाश महाजन ने मनसे के प्रवक्ता पद से दिया इस्तीफा, कहा- मुझे नजरअंदाज किया गया

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रवक्ता प्रकाश महाजन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें पार्टी में नजरअंदाज किया गया। जबकि उनकी कम से कम उम्मीदें थीं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता दिवंगत प्रमोद महाजन के भाई प्रकाश महाजन ने एक वीडियो संदेश में अपने फैसले की घोषणा की। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में उनके काम के लिए उन्हें कभी प्रशंसा नहीं मिली, बल्कि उन गलतियों के लिए उन्हें दोषी ठहराया गया जो उन्होंने कभी नहीं कीं। उन्होंने अपने इस कदम के लिए राज ठाकरे के नेतृत्व वाली मनसे में सम्मान की कमी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि उनकी किसी अन्य पार्टी में शामिल होने की कोई योजना नहीं है।

वीडियो में प्रकाश महाजन ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से मुझे लग रहा था कि कहीं न कहीं रुकना जरूरी है। पहलगाम की घटना के बाद मुझे रुक जाना चाहिए था। लेकिन उस समय मुझे लगा कि हालात सुधर जाएंगे। निजी तौर पर कहूं तो मेरी उम्मीदें सीमित हैं। मैं जिस भी पार्टी में रहा, मुझे कभी चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं रही और न ही कोई पद चाहिए था। हिंदुत्व की रक्षा ही मेरी एकमात्र भावना थी। लेकिन उम्मीदें कम रखने के बावजूद मुझे बहुत नज़रअंदाज़ किया गया।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान मुझसे कभी सलाह नहीं ली गई। विधानसभा चुनाव के दौरान मुझे केवल प्रचार के लिए इस्तेमाल किया गया। मैंने ईमानदारी से दी गई जिम्मेदारियों को निभाया। मुझे मेरे काम के लिए कभी प्रशंसा नहीं मिली, बल्कि मुझे उन गलतियों के लिए दोषी ठहराया गया जो मैंने कभी की ही नहीं थीं।

उन्होंने कहा कि मैं मनसे नेता अमित ठाकरे से माफी मांगता हूं। मैंने उनसे वादा किया था कि मैं न सिर्फ उनके साथ, बल्कि उनके बेटे के साथ भी काम करूंगा। लेकिन दुर्भाग्य से हालात ऐसे हैं कि मैं अपना वादा नहीं निभा सकता। कभी-कभी किसी व्यक्ति को वो नहीं मिलता जिसका वो हक़दार होता है और ये किस्मत की बात है।

महाजन ने कहा कि उन्होंने बढ़ती उम्र और पार्टी में सम्मान की कमी के कारण पद छोड़ने का फैसला किया है। मैं पिछले कुछ साल से मनसे में हूं। जब भाजपा नेता नारायण राणे ने मुझे धमकी दी थी, तब पार्टी ने मेरा समर्थन नहीं किया।

नवी मुंबई नगर निगम जिला स्तरीय शालेय 'लॉन टेनिस' प्रतियोगिता उत्साहपूर्वक संपन्न

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

विद्यालय स्तरीय खेल प्रतियोगिताएँ स्कूली छात्रों में निहित खेल गुणों को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करके भविष्य के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के निर्माण की दिशा में पहला कदम होने के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसी उद्देश्य से, महाराष्ट्र सरकार विभिन्न खेलों के लिए अलग-अलग नीतियाँ बनाकर खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है। इसी कड़ी में, नगर निगम क्षेत्र में होने वाली शालेय खेल प्रतियोगिताओं को अलग ज़िलों का दर्जा दिया गया है। ताकि इन प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाशाली खिलाड़ी और टीमें सीधे संभाग और फिर राज्य स्तर पर खेल सकें। इसी उद्देश्य से, 'नवी मुंबई नगर निगम जिला स्तरीय शालेय 'लॉन टेनिस' खेल प्रतियोगिता 2025-26' का आयोजन नेरुल जिमखाना में नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में, खेल और युवा सेवा निदेशालय, महाराष्ट्र राज्य अवर जिला क्रीड़ा परिषद, ठाणे के सहयोग से उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का

अनौपचारिक उद्घाटन नेरुल जिमखाना के उपाध्यक्ष किरण स्टेनली, प्रबंधन समिति के सदस्य और लॉन टेनिस समन्वयक गिरीश कुलकर्णी ने नगर निगम के खेल अधिकारी रेवप्पा गुरव की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रशिक्षक, स्कूली खिलाड़ी और अभिभावक उपस्थित थे। नवी मुंबई नगर निगम के अंतर्गत आने वाले विभिन्न स्कूलों और जूनियर कॉलेजों के 14, 17 और 19 वर्ष से कम आयु के बालक वर्ग में 47 खिलाड़ियों और बालिका वर्ग में 59 खिलाड़ियों सहित कुल 106 खिलाड़ियों ने इस लॉन टेनिस टूर्नामेंट में भाग लिया। लॉन टेनिस दुनिया भर में एक बहुत लोकप्रिय खेल है और यह सबसे अधिक पुरस्कार राशि वाले प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों का आयोजन करता है। पिछले कुछ वर्षों में, नवी मुंबई शहर में लॉन टेनिस खेल के लिए अनुकूल वातावरण बनाया गया है, और परिणामस्वरूप, इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या में वृद्धि हुई है। प्रतियोगिता में, लड़कों के अंडर-14 वर्ग में प्रथम स्थान अभिनव शर्मा, दिल्ली पब्लिक स्कूल, नेरुल, द्वितीय स्थान पीयूष रेड्डी, दिल्ली पब्लिक स्कूल, नेरुल, तृतीय स्थान अजलान इब्राहिम शरीफ, पोद्दार इंटरनेशनल कैम्ब्रिज स्कूल, नेरुल, चतुर्थ स्थान समर समाधान पाटिल, एफ.अग्नाल स्कूल, वाशी और पंचम स्थान प्रताप लक्ष्मण म्हस्के, पोद्दार इंटरनेशनल कैम्ब्रिज स्कूल, नेरुल ने प्राप्त किया।

लड़कों के अंडर-17 वर्ग में प्रथम स्थान ऋषिकेश प्रवीण माने, सेंट मैरी आईसीआईसी स्कूल कोपरखैरणे, द्वितीय स्थान ध्येय शांडिल्य, पोद्दार इंटरनेशनल सीबीएसई स्कूल नेरुल, तृतीय स्थान आयुष अतुल घाडगे, अमेटी इंटरनेशनल स्कूल, बेलापुर, चतुर्थ स्थान कैरव पांडे, अमेटी इंटरनेशनल स्कूल बेलापुर, पंचम स्थान पवन कुमार परमेश्वर मशाले, सेंट जेवियर्स हाई स्कूल नेरुल ने प्राप्त किया।

लड़कों के अंडर-19 वर्ग में प्रथम स्थान एस.के. पार्थव पेथापति, दिल्ली पब्लिक स्कूल नेरुल और दूसरा स्थान अथर्व बंगार्गी, एफ. एग्नल स्कूल वाशी ने जीता। प्रतियोगिता में, लड़कियों के अंडर-14 वर्ग में प्रथम स्थान रूमी गाडिया, साधु वासवानी स्कूल, सानपाड़ा, द्वितीय स्थान सुकृति, पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल (सीबीएसई), नेरुल, तृतीय स्थान गीत रतिकांत पांडा, ए.पी.जे. स्कूल, नेरुल, चतुर्थ स्थान रिया बसु, डॉ. डी.वाई. पाटिल इंटरनेशनल स्कूल, नेरुल और पंचम स्थान रेणुका परमेश्वर मशाले, सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, नेरुल ने जीता। इसके अलावा, लड़कियों के अंडर-17 वर्ग में, प्रथम स्थान रिद्धि गामी, एफ.अग्नाल स्कूल, वाशी, द्वितीय स्थान शहजान शाहबुद्दीन शेख, लोकमान्य तिलक इंटरनेशनल स्कूल, कोपरखैरणे, तृतीय स्थान दिशिका जैन, ए.पी.जे. स्कूल, नेरुल, चतुर्थ स्थान सानवी अरोड़ा, ए.पी.जे. स्कूल, नेरुल, पंचम स्थान वागीशा वशिष्ठ, अमेटी इंटरनेशनल स्कूल, बेलापुर ने जीता।

लड़कियों के अंडर-19 वर्ग में, प्रथम स्थान शेरिना रोड्रिग्स, सेंट मैरीज़ आईसीआईसी स्कूल कोपरखैरणे, द्वितीय स्थान ईशा गिरीश मोहिते, वेस्टर्न कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स सानपाड़ा, तृतीय स्थान जोशमी मंडल, डॉन बॉस्को सीनियर सेकेंडरी स्कूल नेरुल ने जीता। चतुर्थ स्थान सिया वासुदेव टोंडावलकर, यूरो स्कूल ऐरोली, पंचम स्थान तिवशा सुमित ढाल, ए.पी.जे. स्कूल नेरुल ने जीता।

इस उत्कृष्ट सफलता को प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों ने आगामी मुंबई संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए अर्हता प्राप्त कर ली है। इस प्रतियोगिता के आयोजन में राष्ट्रीय लॉन टेनिस प्रशिक्षक अश्विथ अवस्थी का बहुमूल्य सहयोग प्राप्त हुआ। नवी मुंबई नगर निगम के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप, इस वर्ष की जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में छात्र भाग ले रहे हैं।

मुंबई में तेज रफ्तार कार ने फुटपाथ पर पैदल यात्रियों को मारी टक्कर, चार घायल

मुंबई(संवाददाता)। मुंबई के घाटकोपर में एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से फुटपाथ पर चार लोग घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना घाटकोपर के एलबीएस मार्ग पर सुबह करीब साढ़े छह बजे हुई।

अधिकारी ने बताया कि तेज गति से आ रही कार के चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया और कार फुटपाथ पर चढ़ गई और चार लोगों को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि घायलों में से एक हालत गंभीर है।

अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में दो महिलाएं और एक पुरुष वाहन से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि उक्त व्यक्ति मौके से फरार हो गया और महिलाओं को हिरासत में ले लिया गया है।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने वाहन से शराब की बोतलें बरामद की हैं और संदेह है कि दुर्घटना के समय आरोपी नशे की हालत में थे। उन्होंने बताया कि पुलिस एक मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में है और फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

व्यापारियों की मांगः ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए बने नियामक संस्था, संवाद सत्र में बोले मुंबई के व्यापारी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

जीएसटी सुधारों पर आयोजित एक संवाद सत्र में मुंबई के व्यापारियों ने ई-कॉमर्स कंपनियों पर सख्त नियंत्रण की

मांग उठाई। रिटेल एंड डिस्पेंसिंग केमिस्ट्स एसोसिएशन और प्रॉमिनेंट ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के प्रतिनिधियों ने कहा कि बड़ी विदेशी कंपनियां नियमों की अनदेखी कर बाजार पर कब्जा जमा रही हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इन कंपनियों पर नजर रखने और छोटे व्यापारियों की सुरक्षा के लिए सरकार को एक नियामक संस्था गठित करनी चाहिए।

बैठक में केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में दी गई छूट और उसके व्यापार पर असर पर चर्चा हुई। व्यापारियों ने कहा कि यह कदम निश्चित रूप से कारोबार को राहत देगा। उन्होंने माना कि इन सुधारों से खुदरा व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं दोनों को फायदा होगा।

ई-कॉमर्स कंपनियों पर चिंता

व्यापारियों ने भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला को बताया कि विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियां गैरकानूनी तरीकों से बाजार पर कब्जा करने में लगी हैं। उन्होंने कहा कि भारी पूंजी और आक्रामक रणनीतियों के कारण छोटे और स्थानीय कारोबारी हाशिये पर जा रहे हैं। इस पर उन्होंने सख्त नियमन की मांग दोहराई।

भाजपा का आश्वासन

भाजपा प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने आश्वासन दिया कि सरकार छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का मकसद छोटे कारोबारियों को राहत देना और उपभोक्ताओं तक लाभ पहुंचाना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि व्यापारियों की मांग सरकार तक पहुंचाई जाएगी।

संस्थाओं का योगदान

बैठक में यह भी बताया गया कि रिटेल एंड डिस्पेंसिंग केमिस्ट्स एसोसिएशन और प्रॉमिनेंट ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन लंबे समय से फार्मेसी समुदाय और छोटे व्यापारियों की समस्याओं के समाधान में सक्रिय हैं। 1945 में स्थापित इन संस्थाओं का उद्देश्य व्यापार जगत की आवाज सरकार तक पहुंचाना और कठिनाइयों का हल निकालना है।

बैठक में शामिल प्रतिनिधि

इस संवाद सत्र में आचार्य पवन त्रिपाठी, जो मुंबई भाजपा के उपाध्यक्ष और श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष हैं, भी मौजूद रहे। इसके अलावा बकुल भाई ठक्कर, रुकमाकर शेनॉय, तुषार कतरेचा, निलेश गालिया समेत कई व्यापारी और पदाधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। सभी ने एक सुर में कहा कि ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए सख्त नियामक व्यवस्था समय की मांग है।

ठाणे में महिला ने दुकान मालिक को पीटा, वीडियो वायरल

मुंबई। ठाणे में एक महिला ने उत्पीड़न से परेशान होकर अपने दुकान मालिक को पीट दिया। महिला ने उसके स्टोर में उसके साथ मारपीट की। इसका वीडियो वायरल हो गया। जिसके बाद पुलिस को हस्ताक्षेप करना पड़ा। पुलिस घटना की जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में महिला को 55 वर्षीय दुकानदार को उसकी कपड़ों की दुकान पर चप्पल से पीटते हुए देखा जा सकता है। महिला ने आरोप लगाया है कि दुकान मालिक ने उसके मोबाइल फोन पर अश्लील संदेश भेजकर उसे परेशान किया। महिला अपनी मां के साथ गुरुवार दोपहर दुकान पर पहुंची और अपने दुकान मालिक से अश्लील संदेशों और लगातार उत्पीड़न के बारे में पूछताछ की। साथ ही माफी मांगने की मांग की। दुकान के आसपास भीड़ जमा हो गई और महिला ने उस पर हमला कर दिया।

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्री आपूर्ति

ई-खरीद निविदा सूचना संख्याः एस/60/2025 दिनांक 11.09.2025

अ.क्र.	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
513	शंटिंग कॉन्टैक्टर (ईपी यूनिट) पूर्ण प्रकार TCP-718-M16-4	1144 Nos	09-Oct-25
514	संयुक्त रहित नालीदार तांबे का संपर्क तार, 193 वर्ग मिमी	12 KM	10-Oct-25
515	एल-प्रकार संरचना ब्रेक ब्लॉक	32774 Nos	10-Oct-25
516	विनाइल लेपित असबाब कपड़ा	361231 Mtr	10-Oct-25
517	थर्मोप्लास्टिक पॉलीयूरेथेन स्प्रिंग पैड (हैप्पी पैड) का सेट	118 Set	13-Oct-25
518	1500 एम्पियर क्षमता वाले CTF-1, CTF-2 और CTF-3 का सेट	10 Set	13-Oct-25
519	रिवर्सर J1 और J2, क्षमता 1500 एम्पियर	10 Set	14-Oct-25
520	3 फेज़ लोकोमोटिव के लिए इलास्टिक रिंग	222 Nos	15-Oct-25
521	नीचे दी गई सूची के अनुसार CAMC सहित EOT क्रेन की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग	4 Nos	27-Oct-25
522	एयर स्प्रिंग असेंबली 180 KN क्षमता	197 Nos	30-Oct-25
523	BCNHL वैगनों के लिए ब्रेक बीम	2135 Nos	30-Oct-25

विस्तृत सूचना ईएमडी, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और wr.indianrailways.gov.in देखें।

0593

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

मुख्य कारखाना प्रबंधक, कैरिज मरम्मत कारखाना, पश्चिम रेलवे, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400013। निविदा सूचना संख्या- PL-MP-JPO-AMI-जनरेशन-प्लांट, दिनांकः 11.09.2025। **कार्य का नाम और स्थानः** लोअर परेल कारखाना में 3 वर्षों की उत्पादन क्षमता वाले टर्नकी आधार पर एक AMI बैक्टीरिया उत्पादन संयंत्र का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग। **अनुमानित लागतः** 2,65,23,809.90 **अग्रिम जमाः** 2,82,600/- **जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 03.10.2025, 12:00 बजे तक। **खोलने की अंतिम तिथि और समयः** 03.10.2025, 12:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0596

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

भंडार विभाग

रेलवे और अन्य विभिन्न स्क्रैप के लिए अक्टूबर, 2025 में ई-नीलामी बिक्री

विशेष ध्यान दें: सभी इस्पात क्रेता और री-रोलर

रेलवे स्क्रैप, रेल स्क्रैप और अन्य विभिन्न स्क्रैप सामग्री के निपटान के लिए सार्वजनिक ई-नीलामी अक्टूबर, 2025 में नीचे दिए गए कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएगी:-

1st ROUND	2nd ROUND	डिपो/डिवीजन	प्रभारी अधिकारी	संपर्क नंबर
01/10/2025	16/10/2025	रतलाम	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक - रतलाम	07412230080 09752492750
03/10/2025	17/10/2025	वडोदरा	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक - वडोदरा	02652641592 09724091750
06/10/2025	24/10/2025	साबरमती	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक - साबरमती	07927500080 09724093774
06/10/2025	30/10/2025	भावनगर	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक - भावनगर	02782444360 09724097750
07/10/2025	29/10/2025	दाहोद	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक - दाहोद	02673241295 09724090455
08/10/2025	28/10/2025	मुंबई सेंट्रल	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक - मुंबई सेंट्रल	022-23094142 09004499006
09/10/2025	30/10/2025	अहमदाबाद	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक - अहमदाबाद	07922205888 09724093750
14/10/2025	29/10/2025	प्रतापनगर	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक - प्रतापनगर	0265-2658858 09724045550
15/10/2025	29/10/2025	राजकोट	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक - राजकोट	02812476943 09724093750
15/10/2025	30/10/2025	महालक्ष्मी	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक - महालक्ष्मी	022-24929571 09004495750
15/10/2025	30/10/2025	पारदी	उप मुख्य सामग्री प्रबंधक - महालक्ष्मी	022-24929571 09004495750

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संबंधित डिपो/मंडल अधिकारी से संपर्क करें।

नोटः-1. रेलवे ई-नीलामी से किसी भी लॉट को वापस लेने का अधिकार सुरक्षित रखता है। **2.** ई-नीलामी निर्धारित समय पर शुरू होगी। **3.** ई-नीलामी कैटलॉग **www.ireps.gov.in** ई-नीलामी पोर्टल पर उपलब्ध होंगे। **4.** ई-नीलामी, डिजिटल हस्ताक्षर, पंजीकरण प्रक्रिया और भागीदारी के संबंध में किसी भी सहायता की आवश्यकता होने पर, कृपया उपर्युक्त डिपो/मंडल अधिकारी से संपर्क करें। **5.** सभी भुगतान लेनदेन ऑनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से किए जाएंगे।

(सं. एस/एसआईआईआई/नीलामी कार्यक्रम-1/अक्टूबर 2025 दिनांक 09.09.2025)

0592

Like us on : facebook.com/WesternRly • follows us on : twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न मरम्मत कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (पश्चिम रेलवे), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008, ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

अ.क्र.	निविदा सूचना संख्या एवं तिथि	कार्य एवं स्थान	कार्य की अनुमानित लागत	ब्याज राशि
1	BCT-25-26-221 dt. 10.09.2025	उकाई-सोंगहाड - जलगाँव खंड - एसएसई (पी-वे) सिंदखेड़ा के अंतर्गत अप/डाउन लाइन के लिए 01 वर्ष की अवधि के लिए पी-वे का रखरखाव, जिसमें मानसून ऋतु (2025-26) के दौरान विभिन्न एलएचएस पर पम्पिंग व्यवस्था शामिल है (कुल 45.051 किमी)	2,65,26,338.66	2,82,600/-
2	BCT-25-26-222 dt. 10.09.2025	उकाई-सोंगहाड - जलगाँव खंड - एसएसई (पी-वे) नंदुरबार के अंतर्गत अप/डाउन लाइन के लिए 01 वर्ष की अवधि के लिए पी-वे का रखरखाव , जिसमें मानसून ऋतु (2025-26) के दौरान विभिन्न एलएचएस पर पंपिंग व्यवस्था शामिल है (कुल 45.101)	3,23,26,033.25	3,11,600/-
3	BCT-25-26-223 dt.10.09.2025	उकाई-सोंगहाद - जलगाँव खंड -एसएसई (पी-वे) नवापुर के अंतर्गत अप/डाउन लाइन के लिए 01 वर्ष की अवधि के लिए पी-वे का रखरखाव, जिसमें मानसून ऋतु के दौरान विभिन्न एलएचएस पर पम्पिंग व्यवस्था भी शामिल है। (2025-26) (कुल 45.168)	3,66,31,300.28	3,33,200/-

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए, जमा करने की तिथि एवं समयः 07.10.2025, 15:00 बजे तक। खोलने की तिथि एवं समयः 07.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। मैन्युअल प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा।

0594

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

भोसला रक्षा विश्वविद्यालय रक्षा उत्पादन उद्योग के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

भोसला रक्षा विश्वविद्यालय के संबंध में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ चर्चा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उद्यमियों द्वारा रक्षा उत्पादन क्षेत्र में भारी निवेश और तीन केंद्रीय रक्षा गलियारों के विकास के साथ, उन्नत रक्षा तकनीक से लैस उच्च कुशल जनशक्ति और विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है। इस संदर्भ में, भोसला रक्षा विश्वविद्यालय एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज कहा कि विश्वविद्यालय को भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अपने पाठ्यक्रम तैयार करने चाहिए।

केंद्रीय हिंदू सैन्य शिक्षा समिति नागपुर में भोसला रक्षा विश्वविद्यालय की स्थापना कर रही है। रक्षा विश्वविद्यालय की प्रकृति और देश के रक्षा उत्पादन क्षेत्र में इसकी भूमिका पर विचार-विमर्श करने के लिए प्रमुख उद्यमियों, रक्षा उत्पादन क्षेत्र के विशेषज्ञों और भारतीय रक्षा बलों के अधिकारियों के साथ एक दिवसीय चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने समापन सत्र में उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

सत्र में एयर चीफ मार्शल आर.के.एस. ने भाग लिया। भदौरिया, एयर चीफ मार्शल वी.आर. चौधरी, जनरल मनोज पांडे, एयर मार्शल शिरीष देव, लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. राजेंद्र निंभोरकर, लेफ्टिनेंट

जनरल डॉ. माधुरी कान्हेकर, प्रोफेसर अनिल सहस्रबुद्धे, बाबासाहेब एन. कल्याणी, सत्यनारायण नुवाल, डॉ. जयजीत भट्टाचार्य, नितिन गोखले, डॉ. विजय चौथाइवाले, सलाहकार। सुनील मनोहर, श्रीहरि देसाई, प्रो. मकरंद कुलकर्णी, महेश डबक, आशीष कुलकर्णी, नारायण रामास्वामी, उपाध्यक्ष शैलेश जोगलेकर, राहुल दीक्षित और अन्य।

विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की भागीदारी के साथ भोसला रक्षा विश्वविद्यालय का शुभारंभ करते समय पाठ्यक्रम डिजाइन, नए शोध और कुशल जनशक्ति विकास के संबंध में विभिन्न सुझाव सामने रखे गए। विश्वविद्यालय से उच्च उम्मीदें व्यक्त करते हुए, सीएम फड़नवीस ने कहा कि यह भारत के रक्षा, उत्पादन और अनुसंधान क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने आगे कहा कि पाठ्यक्रम में रक्षा क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप विविध विषय शामिल होने चाहिए। रक्षा क्षेत्र में नई तकनीकों की बढ़ती वैश्विक माँग को देखते हुए, उत्पाद की गुणवत्ता और मानकीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस संस्थान की स्थापना का उद्देश्य आईआईटी मुंबई की तर्ज पर एक विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय स्थापित करना है।

नवाचार की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि भोसला रक्षा विश्वविद्यालय को रक्षा क्षेत्र को समर्पित एक उच्च-प्रौद्योगिकी संस्थान के रूप में विकसित होना चाहिए। इसे इस क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए अग्रणी अनुसंधान को भी बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह विश्वविद्यालय रक्षा क्षेत्र में उद्यमियों के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में कार्य करेगा।

कांग्रेस ने फडणवीस सरकार को दी चेतावनी

'दक्षिण मुंबई जमीन सौदा रद्द करे, वरना जाएंगे अदालत'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई के नरिमन पॉइंट स्थित एक जमीन की बिक्री को लेकर कांग्रेस ने महाराष्ट्र सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। कांग्रेस ने शनिवार को महाराष्ट्र सरकार से मांग की कि वह दक्षिण मुंबई के नरिमन पॉइंट स्थित उस जमीन की बिक्री को रद्द करे, जिसे हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को बेचा गया है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि अगर यह फैसला वापस नहीं लिया गया, तो वह कोर्ट का रुख करेगी।

बता दें कि मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) ने बीते पांच सितंबर को लगभग 16,842 वर्गमीटर (करीब 4.1 एकड़) जमीन का बिक्री करार आरबीआई के साथ किया। यह सौदा 3,471.82 करोड़ रुपये में हुआ है, जिससे मेट्रो-3 (कोलाबा-बांद्रा-एसईईपीजेड) परियोजना के लिए धन जुटाया जाना है।

कांग्रेस ने सौदे को बताया धोखाधड़ी

मामले में कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने इस सौदे को एकतरफा और धोखाधड़ी बताया। उन्होंने कहा कि इस जमीन पर पहले विभिन्न राजनीतिक दलों के दफ्तर थे। सरकार और मेट्रो प्राधिकरण ने 2015-16 में यह आश्वासन दिया था कि मेट्रो कार्य पूरे होने के बाद सभी दलों को उसी जगह पर नए दफ्तर दिए जाएंगे।

इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि कि सौदे से पहले किसी भी पार्टी से सलाह-मशविरा नहीं किया गया। जमीन की वास्तविक बाजार कीमत करीब 5,200 करोड़ है, जबकि यह 3,400 करोड़ में बेची गई, जिससे राज्य को 1,800 करोड़ का नुकसान हुआ। यहां तक कि आरबीआई को भी गुमराह किया गया, उसे पहले किए गए आश्वासन की जानकारी नहीं दी गई।

गणेश पाटिल ने दिया कोर्ट जाने की चेतावनी

वहीं कांग्रेस के उपाध्यक्ष गणेश पाटिल ने कहा कि पार्टी ने इस संबंध में सरकार और एमएमआरसी को पत्र लिखकर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर पुराने आश्वासन के अनुसार उन्हें दफ्तर नहीं मिला, तो वे अदालत जाएंगे। गौरतलब है कि 33 किलोमीटर लंबी मेट्रो-3 लाइन के दो फेज पहले से चालू हैं। तीसरा और अंतिम फेज़ वर्ली से कफ परेड तक जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

मराठा-ओबीसी आरक्षण विवादः

संजय राउत ने फडणवीस से किया संवाद का आग्रह, आत्महत्याओं के मामले पर जताई चिंता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण को लेकर चल रहे तनाव के बीच राज्यभर की सियासत को गर्म कर रखा है। ऐसे में अब शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अपील की कि वे मराठा और ओबीसी समुदायों के नेताओं से संवाद करें और आरक्षण को लेकर उत्पन्न अशांति को खत्म करें।

राउत ने कहा कि आरक्षण विवाद की वजह से राज्य में आत्महत्याओं की घटनाएं हो रही हैं।

बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने दो सितंबर को एक सरकारी आदेश जारी किया था, जिसके तहत मराठा समुदाय के योग्य सदस्य कुनबी जाति प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं। इससे ओबीसी समुदाय में असंतोष फैल गया है क्योंकि मराठा भी ओबीसी आरक्षण का दावा कर सकेंगे।

इसी सिलसिले में विवाद ज्यादा तब बढ़ गया जब कथित तौर पर लातूर जिले के 35 वर्षीय भरत कराड ने इस विवाद से जुड़ी चिंता के कारण आत्महत्या कर ली। इसको लेकर राउत ने कहा कि मुख्यमंत्री को मराठवाड़ा में प्रेस वार्ता कर आरक्षण विवाद से जुड़ी जनता की चिंताओं का समाधान करना चाहिए। इस मौके पर मराठा कार्यकर्ता मनोज जरांगे और ओबीसी नेता तथा एनसीपी मंत्री छगन भुजबल को भी शामिल करना जरूरी है।

मनसे के साथ गठबंधन पर भी बोले राउत

इसके साथ ही संजय राउत ने कांग्रेस के शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (एमएनएस) के बीच गठबंधन की चर्चाओं को लेकर कहा कि कांग्रेस में इस मुद्दे को लेकर कोई असंतोष नहीं है। उन्होंने बताया कि दोनों दलों के बीच बातचीत जारी है और यह गठबंधन लोकसभा चुनावों को लेकर महत्वपूर्ण होगा। गौरतलब है कि शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) मिलकर महाराष्ट्र की विपक्षी महा विकास अघाड़ी गठबंधन चला रहे हैं।

भाजपा नेता मेनका गांधी का बयान

'कबूतरों से कोई नुकसान नहीं, पटाखों का प्रदूषण में ज्यादा योगदान'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने शनिवार को उम्मीद जताई कि मुंबई के कबूतरखानों को फिर से खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि कबूतरों से किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है, जबकि प्रदूषण फैलाने में पटाखों का बड़ा योगदान है। मुंबई में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मेनका गांधी ने यह बात कही।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कबूतरखानों को लेकर फैसला लेने के लिए एक समिति बनाई है। मुझे भरोसा है कि समिति की रिपोर्ट कबूतरखानों को खोलने के पक्ष में होगी।

'कबूतरों की वजह से नहीं हुई किसी की मौत'

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने पिछले महीने कबूतरों को सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा मानते हुए शहर के कुछ पुराने कबूतरखाने बंद कर दिए थे और वहां पर दाना डालने पर रोक लगा दी थी। मेनका गांधी ने कहा कि भारत की नींव करुणा पर टिकी हुई है। यह जीवन जीने और दूसरों को भी जीने देने के सिद्धांत पर आधारित है। आज तक ऐसा कोई उदाहरण नहीं है कि किसी की मौत कबूतरों की वजह से हुई हो। कबूतरों से किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने बताया कि मुंबई में 57 कबूतरखाने हैं, जिनमें से कुछ को बंद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने इस मामले पर फैसला लेने के लिए एक समिति गठित की है, जो एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट देगी।

मेनका गांधी ने कहा कि रिपोर्ट आने के बाद कबूतरखाने फिर से खोले जाएंगे और उन्हें इस बात का पूरा भरोसा है।

'अब पटाखों का समय खत्म हो गया'

मेनका गांधी ने पटाखों के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अगर कबूतरों को बीमारी फैलाने की वजह से मारने की बात होती है, तो पटाखे तो कई गुना ज्यादा प्रदूषण फैलाते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम औ सीता के समय में पटाखों का कोई अस्तित्व नहीं था। उस समय लोग दीये जलाते थे और खाना बांटते थे। अब पटाखों का समय खत्म हो गया है, क्योंकि लोग अब सांस भी नहीं ले पा रहे हैं।

'भारत की पर्यटन क्षमता प्रभावित हुई'

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने देश की पर्यटन नीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बेतहाशा जंगलों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों की अनदेखी की वजह से भारत की पर्यटन क्षमता प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा, भारत की पर्यटन की भूख कई छोटे देशों से भी कम है। जितने ज्यादा पेड़ काटे जाएंगे और जितनी स्थानीय संस्कृति को खत्म किया जाएगा, उतने कम लोग यहां आएंगे। अगर हम अपने जंगलों और जानवरों का सम्मान करें, तो हम पांच साल में चमत्कार कर सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछले दस वर्षों में करीब 21 लाख हेक्टेयर जमीन से पेड़ काटे जा चुके हैं।

7/11 मुंबई ब्लास्ट केसः 9 साल की गलत कैद के लिए वहिद शेख ने मांगा 9 करोड़ मुआवज़ा, बोले- 'ये इंसाफ का सवाल है'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस में बरी हुए एकमात्र आरोपी डॉ. वहिद शेख ने अब राज्य से 9 करोड़ रुपये का मुआवजा मांगते हुए बड़ी अपील दायर की है. उन्होंने कहा कि यह मुआवजा उनकी खोई हुई जिंदगी, झेली गई यातनाओं और परिवार पर पड़े गंभीर असर की भरपाई के लिए है.

वहिद शेख ने एबीपी न्यूज से बातचीत में बताया कि मैंने 9 साल निर्दोष होकर जेल में बिताए. इस दौरान मेरी जिंदगी, करियर, सेहत और परिवार सबकुछ तबाह हो गया. अब मैं किसी दान या

खैरात की नहीं, बल्कि न्याय की मांग कर रहा हूं. 28 साल की उम्र में उन्हें ATS ने झूठे आरोपों के तहत गिरफ्तार किया वहिद शेख ने कहा कि 2006 में 28 साल की उम्र में उन्हें ATS ने झूठे आरोपों के तहत गिरफ्तार किया और MCOCA लगाकर जेल भेज दिया. साल 2015 में सेशन कोर्ट ने उन्हें सबूतों के अभाव में बरी कर दिया.

उनका कहना है कि जेल में रहने के दौरान उन्होंने कस्टोडियल टॉर्चर झेला, उनकी सेहत पर गहरा असर पड़ा, पिता का निधन हो गया, मां मानसिक तनाव से बीमार हो गईं और परिवार पर 30 लाख रुपये का कर्ज चढ़ गया. उनकी पत्नी और बच्चों को भी समाज में अपमान सहना पड़ा.

सह आरोपियों की बरी के बाद शेख की मुआवजा मांग

शेख ने यह भी कहा कि उन्होंने इतने साल मुआवजा इसलिए नहीं मांगा क्योंकि उनके सह-आरोपी अब भी जेल में थे. मगर हाल में उनकी भी बरी होने के बाद यह साफ हो गया है कि पूरा केस फर्जी था. इसलिए अब उनका मुआवजा मांगना और भी जायज हो जाता है.

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का भी हवाला दिया जिसमें 2018 में ISRO वैज्ञानिक डॉ नंबी नारायणन को गलत गिरफ्तारी और यातना के लिए 50 लाख रुपये का मुआवजा मिला था.

9 साल नहीं लौट सकते, मुआवजा न्याय का तरीका - डॉ वहिद शेख

डॉ. वहिद शेख ने कहा कि पैसे से मेरी जिंदगी के 9 साल वापस नहीं आ सकते, लेकिन यह मुआवज़ा उस अन्याय को स्वीकार करने और जिम्मेदारी तय करने का तरीका है. उन्होंने बताया कि इसके लिए उन्होंने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, अल्पसंख्यक आयोग समेत कई संस्थाओं को अपनी शिकायत भेज दी है और अब अपनी मांग जनता के सामने भी रख रहे हैं.

मुंबई में 100 साल पुराना ब्रिटिश जमाने का एल्फिंस्टन ब्रिज अब हो रहा है ध्वस्त

मुंबई। मुंबई में 100 साल से अधिक पुराने एल्फिंस्टन रोड ओवरब्रिज को 12 सितंबर शाम से तोड़ा जाना शुरू हो गया. यह ब्रिटिश काल का पुल परेल और प्रभादेवी को जोड़ने वाला पुल था.

इसे तोड़कर सेवरी-वर्ली एलीवेटेड कनेक्टर प्रोजेक्ट के तहत नया डबल-डेकर ब्रिज बनाया जाएगा. यह मुंबई के लिए एक बड़ा बदलाव है, जिससे पूर्व-पश्चिम संपर्क बेहतर होगा और यातायात दबाव कम करने वाला होगा.

क्या है पुल तोड़ने की वजह?

मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने 11 सितंबर को एल्फिंस्टन आरओबी को बंद करने की आधिकारिक सूचना जारी की और वैकल्पिक यातायात योजना भी प्रकाशित की पहले इसे 25 अप्रैल से बंद करने की तैयारी थी, मगर ट्रैफिक जाम और असुविधा को देखते हुए निर्णय टाल दिया गया था.

ट्रैफिक पुलिस ने नए रूट तय किए

दादर, लोअर परेल, करी रोड और भारतमाता इलाकों पर असर पड़ने वाले हैं. वहीं इस योजना का मकसद भी लोगों के हित में बताया जा रहा है. सुरक्षा बढ़ाने के साथ साथ भीड़भाड़ भी कम करना इस पुल के निर्माण का लक्ष्य में से एक है.

मुंबई में तेज रफ्तार कार ने पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी

मुंबई के पूर्वी उपनगर में शनिवार सुबह एक तेज रफ्तार कार ने फुटपाथ पर चल रहे चार लोगों को टक्कर मार दी। जिससे वे घायल हो गए। घाटकोपर में एलबीएस मार्ग पर तेज गति से आ रही कार नियंत्रण खोकर फुटपाथ पर जा गिरी और चार लोगों को टक्कर मार दी, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

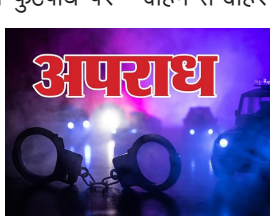

अधिकारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में दो महिलाएं और एक पुरुष वाहन से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। पुरुष मौके से भाग गया। महिलाओं को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने वाहन से शराब की बोतलें बरामद की हैं और आशंका है कि दुर्घटना के समय आरोपी नशे की हालत में थे। उन्होंने बताया कि पुलिस मामला दर्ज कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

'जब पीएम मोदी ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर..', भारत-पाक मैच पर जम कर भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को दुबई में एशिया कप का मुकाबला होना है, लेकिन इस क्रिकेट मैच को लेकर सियासी बयानबाजी जारी है. शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस मैच पर कड़ा विरोध जताया है.

उनका कहना है कि आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख के बाद अब क्रिकेट मैच कराना सही नहीं है. उन्होंने सवाल किया कि जब प्रधानमंत्री मोदी 'ऑपरेशन सिंदूर' के संदर्भ में कड़ा संदेश दे चुके हैं तो BCCI को यह मैच कराने की अनुमति किसने दी.

प्रियंका चतुर्वेदी के आरोप

सांसद ने कहा, 'मैंने संसद में यह मुद्दा उठाया था क्योंकि जब हम ऑपरेशन सिंदूर के तहत डेलिगेशन का हिस्सा बन कर अलग-अलग देशों में गए थे, तो हमसे कहा गया था कि 'नौ ट्रेड विद टेवर' है, 'नौ टॉक विद टेरर' है, पानी भी नहीं बहेगा जब तक ये लोग हमारे देश वासियों का खून बहाते रहेंगे.'

प्रियंका चतुर्वेदी ने याद दिलाया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 जवानों की शहादत हुई थी और 26 महिलाएं विधवा हुई थीं. इस घटना के बाद ही 'ऑपरेशन सिंदूर' हुआ था और भारत ने पाकिस्तान को कड़ा जवाब दिया था. सांसद का कहना है कि तब तय किया गया था कि पाकिस्तान के साथ न तो व्यापार होगा और न ही बातचीत. उन्होंने कहा कि ऐसे हालात में क्रिकेट मैच आयोजित करना उस संकल्प को तोड़ने जैसा है.

देश के लोगों की ओर से दब मैंने गृह मंत्री से भी इस मैच को रद्द कराने की अपील की, एशिया क्रिकेट काउंसिल हेड लगातार आसिम मुनीर का समर्थन किया है. एएनआई के अनुसार, उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के खिलाड़ी सोशल मीडिया पर भारत का मजाक उड़ाते हैं और 'ऑपरेशन सिंदूर' को नीचा दिखाते हैं. उन्होंने आपत्तिजनक फोटो लगाए शहीदों के परिवारों की, उसके बाद भी ये मैच खेला जा रहा है, मैंने लाख विनती की कि इसकी लाइव प्रसारण पर रोक लगनी चाहिए.'

देश की जनता से अपील

उन्होंने कहा, 'मैं देश की जनता से अपील करती हूं कि हमें अभी देश के 26 परिवारों के साथ खड़े रहना है, और ये तय करना है कि जब पाकिस्तान आतंकवाद के जरिए खून बहाता रहेगा, जब तक पाकिस्तानी क्रिकेटर अपने आतंकवादियों का समर्थन करेंगे हमें उनके साथ क्रिकेट नहीं खेलना है.' उनका कहना है कि जब तक पाकिस्तान के खिलाड़ी आतंकियों का समर्थन बंद नहीं करते, तब तक भारत को उनके साथ मैच नहीं खेलना चाहिए.

सम्पादकीय

मातृभाषा में शिक्षा ही वास्तविक प्रगति है

मातृभाषा केवल संचार का माध्यम नहीं है, बल्कि हमारी पहचान और संस्कृति से जुड़ने का माध्यम है। नई शिक्षा नीति (2020) में कक्षा 5 तक मातृभाषा में शिक्षा पर ज़ोर दिया गया है, जिससे बच्चों की समझ, आत्मविश्वास और सहभागिता बढ़ेगी। अंग्रेजी ज़रूरी है, लेकिन प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में ही सबसे प्रभावी होती है। चुनौतियों के बावजूद, मातृभाषा आधारित शिक्षा से स्कूल छोड़ने वालों की संख्या में कमी आएगी, रचनात्मकता बढ़ेगी और बच्चा अपनी जड़ों से जुड़ा रहेगा। हिंदी दिवस हमें यह संदेश देता है कि मातृभाषा ही सच्ची शिक्षा और राष्ट्र निर्माण का आधार है।

भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारी पहचान, संस्कृति और समाज से जुड़ाव का आधार है। जिस भाषा में हम सोचते हैं, सपने देखते हैं और अपनी अभिव्यक्ति करते हैं, उसे हमारी मातृभाषा कहते हैं। भारत जैसे बहुभाषी देश में मातृभाषा का महत्व और भी बढ़ जाता है। हिंदी दिवस हर साल 14 सितंबर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों में हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता और गौरव पैदा करना है। हिंदी दिवस न केवल हिंदी को बढ़ावा देने का एक अवसर है, बल्कि यह मातृभाषाओं के महत्व और शिक्षा में उनके उपयोग पर विचार करने का भी अवसर है।

मातृभाषा व्यक्ति के विचारों, संस्कृति और भावनाओं से गहराई से जुड़ी होती है। यह बच्चों के लिए सीखने का सबसे स्वाभाविक और सहज माध्यम है। जब बच्चा अपनी भाषा में शिक्षा प्राप्त करता है, तो वह अधिक आत्मविश्वास और रुचि के साथ सीखता है। मातृभाषा बच्चों की संज्ञानात्मक क्षमता का विकास करती है, उन्हें सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ती है, मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने वाला छात्र अपनी अभिव्यक्ति को बेहतर ढंग से कर पाता है और यह शिक्षा को रटने की बजाय समझने की प्रक्रिया बनाता है।

भारत सरकार ने 34 वर्षों के बाद 2020 में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की।

इस नीति ने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े बदलावों का मार्ग प्रशस्त किया। सबसे महत्वपूर्ण निर्णय यह था कि कक्षा 5 तक और जहाँ तक संभव हो, कक्षा 8 तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा, स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा होनी चाहिए। यह निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे बच्चों को उसी भाषा में शिक्षा मिलेगी जिसमें वे घर और समाज में संवाद करते हैं। शोध से भी यह साबित हुआ है कि मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा बच्चों की समझ को बेहतर बनाती है, स्कूल छोड़ने की दर को कम करती है और कक्षा में उनकी भागीदारी बढ़ाती है।

भारतीय संविधान भी मातृभाषा में शिक्षा का समर्थन करता है। अनुच्छेद 350ँ में कहा गया है कि राज्यों को भाषाई अल्पसंख्यकों के बच्चों के लिए मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करनी चाहिए। कोठारी आयोग (1964-66) ने सिफारिश की थी कि आदिवासी क्षेत्रों में प्रारंभिक वर्षों में शिक्षा स्थानीय आदिवासी भाषा में होनी चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009) में भी यह प्रावधान है कि जहाँ तक संभव हो, शिक्षा का माध्यम बच्चे की मातृभाषा होनी चाहिए।

आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि अभिभावक अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों को ही सर्वश्रेष्ठ मानते हैं। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के अभिभावक अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में भेजने की होड़ में हैं। उनका मानना ??है कि अंग्रेजी ही सफलता की कुंजी है। शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान दिए बिना केवल 'अंग्रेजी' को प्राथमिकता दी जाती है। ग्रामीण भारत में निजी अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में प्रवेश की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। लेकिन सच्चाई यह है कि भाषा कभी भी सफलता की गारंटी नहीं हो सकती। असली सफलता अच्छी शिक्षा, आत्मविश्वास और ज्ञान पर आधारित होती है। अगर किसी बच्चे को ऐसी भाषा में पढ़ाया जाए जो उसे समझ में नहीं आती, तो न तो उसका आत्मविश्वास बढ़ेगा और न ही वह शिक्षा का पूरा लाभ उठा पाएगा। मातृभाषा में शिक्षा देने के कई लाभ हैं। बच्चा अपनी मातृभाषा में आसानी से सोच सकता है। अपनी भाषा में सीखने से भयमुक्त वातावरण मिलता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। मातृभाषा में शिक्षा बच्चे को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़े रखती है। जब शिक्षा सरल और समझने योग्य होगी, तो बच्चे स्कूल नहीं छोड़ेंगे। मातृभाषा में सोचने और अभिव्यक्ति से रचनात्मक क्षमता का भी विकास होता है।

लेकिन इस प्रणाली को लागू करने में कई व्यावहारिक समस्याएँ आती हैं। भारत में भाषाओं और बोलियों की बहुत विविधता है। कई भाषाओं की मानकीकृत लिपि या पर्याप्त शिक्षण सामग्री नहीं है। बहुभाषी कक्षाओं को संभालने वाले प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी है। नई पुस्तकों और प्रशिक्षण पर अतिरिक्त खर्च आएगा। साथ ही, अंग्रेजी को सर्वश्रेष्ठ मानने वाले अभिभावकों की मानसिकता भी एक बड़ी चुनौती है।

अनिश्चित भविष्य एवं आभासी दुनिया से दुःखी युवा पीढ़ी

पूरी दुनिया की सरकारें युवा के मुद्दों, उनमें बढ़ रहे तनाव एवं दुःखों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। न केवल सरकारें बल्कि आम-जनजीवन में भी युवकों की स्थिति, उनके सपने, उनके जीवन लक्ष्य आदि पर चर्चाएं हो, अन्यथा युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन के स्थान पर हिंसा-आतंक-विध्वंस की स्थितियां विकराल होती जायेगी, जैसाकि नेपाल में देखने को मिल रहा है। पिछले कुछ दशकों तक यह मान्यता रही कि जीवन की मध्य आयु वर्ग यानी 40 से 50 वर्ष के लोग ही सबसे अधिक अवसादग्रस्त, तनावग्रस्त, क्रोधित और दुखी होते हैं। युवावस्था और बुजुर्गावस्था अपेक्षाकृत अधिक प्रसन्न और संतुलित मानी जाती थी। लेकिन हाल के वैश्विक अध्ययनों ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य पर नजर रखने वाली ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट सहित अनेक शोध बताते हैं कि दुख और तनाव की शुरुआत अब युवावस्था से ही होने लगी है। सबसे खुशी, मस्त एवं तनावमुक्त जीवन जीने वाली यह पीढ़ी अब सबसे अधिक तनावग्रस्त हो गयी है, जो गहन चिन्ता का सबबे है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका और मध्यपूर्व जैसे 44 देशों के आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से आज की युवा पीढ़ी बुजुर्गों से भी अधिक कमजोर है। युवाओं की इस स्थिति के पीछे कई कारण बताए जाते हैं, जैसे रोजगार की असुरक्षा, भविष्य की अनिश्चितता, कार्यस्थलों का दबाव, प्रतिस्पर्धा का वातावरण और सबसे बड़ा कारक सोशल मीडिया का बढ़ता हस्तक्षेप। आभासी दुनिया युवाओं को बड़े सपने तो दिखाती है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाइयों से उनका सामना नहीं कराती। यही कारण है कि वास्तविक चुनौतियों से टकराते ही वे टूटने लगते हैं।

आज के युवा सोशल मीडिया पर लगातार सक्रिय रहते हैं। देर रात तक स्क्रीन से चिपके रहना उनकी नींद और दिनचर्या दोनों को प्रभावित कर रहा है। आभासी मित्रता और लाइक्स की दुनिया में उन्हें वास्तविक संबंधों की गर्मजोशी नहीं मिल पाती। संवाद की जगह इमोजी ले लेते हैं और भावनाओं का स्थान कृत्रिम पोस्ट। परिणामस्वरूप

वे वास्तविक सामाजिक जीवन से कटते जा रहे हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि जब इंसान अपने मित्रों, परिवार और समाज के साथ आमने-सामने संवाद करता है, तो तनाव कम होता है। कृतज्ञता का भाव मानसिक संतुलन को बनाए रखता है। परंतु डिजिटल आभामंडल में जीने वाला युवा जब अपनी तुलना लगातार दूसरों की सफलता और भौतिक समृद्धि से करता है, तो उसमें हीनभावना और निराशा जन्म लेती है। यही निराशा कई बार आक्रोश और हिंसा का रूप ले लेती है।

सवाल यह है कि मानसिक तनाव का सीधा रिश्ता हिंसा से कैसे जुड़ रहा है। दरअसल, जब कोई व्यक्ति भीतर से असुरक्षित, असंतुष्ट और हताश होता है तो उसकी ऊर्जा रचनात्मकता की बजाय विध्वंसक रास्ते पकड़ लेती है। जिन युवाओं को उचित दिशा, रोजगार और सामाजिक मान्यता नहीं मिल पाती, वे गुस्से में समाज के खिलाफ खड़े हो जाते हैं। यही गुस्सा कई बार सामाजिक अशांति, अपराध और दंगों के रूप में सामने आता है। यह वैश्विक ट्रेंड केवल पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं है। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और विशेष रूप से नेपाल में हालिया परिदृश्य इसका उदाहरण है।

नेपाल में पिछले महीनों हुए दंगे, हाल की युवाक्रांति और युवा आंदोलनों ने इस सच्चाई को सामने ला दिया कि निराशा से भरे युवाओं की ऊर्जा किस तरह हिंसा और अराजकता का रूप ले सकती है। नेपाल का इतिहास ही युवा आंदोलनों से भरा रहा है। राजतंत्र से लोकतंत्र और फिर लोकतांत्रिक अस्थिरता के बीच युवा हमेशा निर्णायक शक्ति रहे हैं। हाल ही में नेपाल में हुए दंगों और विरोध प्रदर्शनों के केंद्र में भी युवा ही थे। नेपाल के युवा लंबे समय से बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे हैं। वहां की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा 30 वर्ष से कम आयु का है, लेकिन रोजगार और अवसरों की कमी उन्हें या तो प्रवासी मजदूरी की ओर धकेल रही है या फिर हिंसक आंदोलनों की ओर। सोशल मीडिया इस असंतोष को और हवा दे रहा है। एक तरफ वहां पर नई राजनीतिक चेतना के स्वर सुनाई देते हैं, दूसरी तरफ यह चेतना जब रचनात्मक दिशा नहीं पाती तो दंगे, हिंसा और अराजकता का रूप ले लेती है।

नेपाल के हालिया आंदोलन यह भी बताते हैं कि युवा सिर्फ रोजगार और आर्थिक अवसर ही नहीं चाहते, वे सामाजिक न्याय, ईमानदार एवं भ्रष्टाचारमुक्त शासन और राजनीतिक स्थिरता की भी मांग कर रहे हैं। लेकिन जब इन मांगों को अनसुना किया जाता है, तो वही आक्रोश सड़क पर हिंसा के रूप में फूट पड़ता है। यदि हम नेपाल की घटनाओं को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह सिर्फ एक देश की समस्या नहीं है। यह उस वैश्विक संकट की झलक है जिसमें पूरी दुनिया की युवा पीढ़ी फंसी हुई है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित देशों में भी 2016 के बाद से चालीस वर्ष से कम उम्र के युवाओं में अवसाद और चिंता बढ़ी है। एशिया और अफ्रीका जैसे विकासशील देशों में रोजगार की असुरक्षा ने युवाओं को और हताश किया है। तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रयोग ने श्रम आधारित रोजगार के अवसर सीमित कर दिए हैं। नेपाल उसी वैश्विक प्रवृत्ति का एक प्रतिरूप है जहां निराशा और तनाव ने हिंसा का रूप ले लिया है।

युवाओं के दुख, तनाव और हिंसा की प्रवृत्ति को केवल नीतियों या आर्थिक सुधारों से नहीं रोका जा सकता। इसके लिए बहुस्तरीय प्रयासों की जरूरत है। युवाओं को आभासी जीवन से बाहर लाने और वास्तविक संवाद व संबंधों की ओर प्रेरित करना होगा। सरकारों को युवाओं के लिए स्थायी और सुरक्षित रोजगार के अवसर सृजित करने होंगे। शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित न रखकर जीवन कौशल और मानसिक स्वास्थ्य पर भी केंद्रित करना जरूरी है। अवसाद और चिंता को कलंक की बजाय सामान्य समस्या मानकर परामर्श सेवाएं उपलब्ध करानी होंगी। युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी में लगाना होगा ताकि उनकी निराशा हिंसा की ओर न मुड़े। युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसके लिये व्यापक प्रयत्न करने होंगे।

युवा पीढ़ी किसी भी समाज का भविष्य होती है। लेकिन जब यही पीढ़ी दुख, तनाव और हिंसा के दुष्चक्र में फंस जाती है तो समाज का भविष्य ही संकटग्रस्त हो जाता है। युवा सपनों को आकार देने का अर्थ है सम्पूर्ण मानव जाति के उन्नत भविष्य का निर्माण। यह सच है कि हर दिन के साथ जीवन का एक नया लिफाफा खुलता है, नए अस्तित्व के साथ, नए अर्थ की शुरूआत के साथ, नयी जीवन दिशाओं के साथ। हर नई आंख देखती है इस संसार को अपनी ताजगी भरी नजरों से। इनमें जो सपने उगते हैं इन्हीं में नये समाज की, नयी आदमी की नींव रखी जाती है। नेपाल के हालिया दंगे इस खतरे की चेतावनी हैं। यह सिर्फ नेपाल का प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का प्रश्न है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम युवाओं को केवल सपने ही न दिखाएँ, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन की चुनौतियों से जूझने का संबल दें। असीमित आकांक्षाओं और कठोर यथार्थ के बीच संतुलन स्थापित करना ही मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक शांति की कुंजी है। यदि हम यह संतुलन नहीं बना पाए, तो युवा आक्रोश न केवल दंगों और हिंसा का कारण बनेगा बल्कि पूरी सभ्यता की स्थिरता को चुनौती देगा एवं महाविनाश का कारण बनेगा।

'किताबों से पर्दे तकः बदलते दौर में गुरु का असली मतलब'

डॉ. प्रियंका सौरभ

शिक्षक दिवस सिर्फ़ एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की आत्मा को समझने का दिन है। जब भी हम गुरु या शिक्षक का नाम लेते हैं, हमारे मन में एक ऐसे व्यक्तित्व का उदय होता है, जो न सिर्फ़ एक शिक्षक है, बल्कि जीवन को दिशा भी देता है। भारतीय संस्कृति में शिक्षक को 'आचार्य' कहा गया है, जिसका अर्थ है आचरण से शिक्षा देने वाला। इस दृष्टि से देखा जाए तो आज के दौर में शिक्षकों की ज़िम्मेदारी पहले से कहीं ज़्यादा बढ़ गई है, क्योंकि यही वह दौर है जब तकनीक और स्क्रीन बच्चों की सोच और संवेदनाओं को प्रभावित कर रहे हैं।

कुछ दशक पहले शिक्षा का स्वरूप किताबों, कक्षा और संवाद तक सीमित था। छात्र शिक्षक की बातों को ध्यान से सुनते थे और वही बातें उनके जीवन का आधार बन जाती थीं। लेकिन डिजिटल क्रांति ने इस परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। मोबाइल फ़ोन, इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव ने छात्रों के लिए अनगिनत अवसर खोले हैं, लेकिन इसके साथ ही कई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। जानकारी का सागर अब हर बच्चे की उंगलियों पर उपलब्ध है, लेकिन उसी सागर में गलत सूचनाओं, भ्रामक सामग्री और असीमित मनोरंजन का जाल भी है। ऐसे में सवाल उठता है कि इस विशाल और असंतुलित सूचना जगत में बच्चों को सही राह कौन दिखाएगा? इसका उत्तर है - शिक्षक।

एक शिक्षक की भूमिका अब केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित नहीं रह गई है। वह एक मार्गदर्शक, मूल्य निर्माता और व्यक्तित्व निर्माता है। जब बच्चा मोबाइल स्क्रीन की दुनिया में खोया रहता है, तो शिक्षक की ज़िम्मेदारी होती है कि वह उसे असल ज़िंदगी की चुनौतियों से रूबरू कराए। शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ़ डिग्री या नौकरी पाना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह भी होना चाहिए कि बच्चा समाज का एक ज़िम्मेदार नागरिक बने, उसमें करुणा, संवेदनशीलता और विवेक का विकास हो।

शिक्षक वह कड़ी है जो घर और समाज के बीच संतुलन बनाए रखती है। घर बच्चे को प्यार और संस्कार देता है, लेकिन शिक्षक उन्हें स्थायी बनाता है। एक शिक्षक अपने छात्रों को सिर्फ़ गणित या विज्ञान ही नहीं पढ़ाता, बल्कि उन्हें मुश्किलों का सामना करना, असफलताओं से सीखना और जीवन में ईमानदारी व सच्चाई का महत्व भी सिखाता है।

आज की शिक्षा व्यवस्था पर गौर करें, तो पाते हैं कि प्रतिस्पर्धा और अंकों की होड़ हावी हो गई है। बच्चे ज़्यादा अंक पाने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, माता-पिता भी उन्हें उसी दिशा में धकेलते हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में मानवीय मूल्यों की नींव कमज़ोर होती जा रही है। यही वजह है कि समाज में आत्मकेंद्रित प्रवृत्तियाँ, नैतिक पतन और असंवेदनशीलता बढ़ती जा रही है। अगर कोई इस कमी को दूर कर सकता है, तो वह शिक्षक ही है। शिक्षक चाहें तो बच्चों में सहयोग, सेवा, सहानुभूति और समाज के प्रति ज़िम्मेदारी की भावना विकसित कर सकते हैं।

क्रीन का प्रभाव इतना गहरा हो गया है कि बच्चे वास्तविक संवाद से दूर होते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर तो वे हज़ारों दोस्त बना लेते हैं, लेकिन असल ज़िंदगी में अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। इस स्थिति से उन्हें निकालने में एक शिक्षक ही उनकी मदद कर सकता है। जब एक शिक्षक कक्षा में बच्चों से संवाद करता है, तो वह न केवल पढ़ाता है, बल्कि बच्चों की भावनाओं को भी छूता है। एक सच्चा शिक्षक वह होता है जो छात्रों को यह एहसास दिलाता है कि वे महत्वपूर्ण हैं, उनकी समस्याओं को सुना जाता है और उनका मार्गदर्शन किया जाता है।

एक शिक्षक का महत्व केवल छात्रों तक ही सीमित नहीं है। राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बार-बार कहा जाता है कि किसी देश का भविष्य उसकी कक्षाओं में गढ़ा जाता है। यह कथन केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि एक कटु सत्य है। अगर कक्षाओं में अच्छे शिक्षक हों, जो बच्चों में नैतिकता, ज्ञान और आत्मविश्वास भरें, तो वही बच्चे आगे चलकर अच्छे नागरिक, नेता, वैज्ञानिक और प्रशासक बनेंगे। लेकिन अगर शिक्षक केवल छात्रों को परीक्षा पास कराने तक ही सीमित रहेगा, तो समाज का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।

आज शिक्षकों को समय के साथ खुद को ढालने की ज़रूरत है। तकनीक से दूर भागना कोई समाधान नहीं है, बल्कि इसे सकारात्मक रूप से अपनाना ज़रूरी है। शिक्षक चाहें तो स्क्रीन और डिजिटल माध्यमों को शिक्षा में सहायक बना सकते हैं। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म, शैक्षिक वीडियो, वर्चुअल प्रयोगशालाएँ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकें जिज्ञासा बढ़ा सकती हैं।

अतीत की यादें और भविष्य की चिंता छोड़िए; हर पल को जीना ही बुद्धिमानी है, जो आज है वही असली जीवन

समय प्रकृति के द्वारा दिया गया एक ऐसा अमूल्य उपहार है, जो निरंतर गतिमान रहता है। विशेष बात यह है कि इसकी गति पर किसी भी परिस्थिति का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। समय के तीन पहलू हैं, जिनको हम भूतकाल, वर्तमान एवं भविष्य के नाम से जानते हैं। अगर तुलनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो इन सभी पहलुओं में वर्तमान का महत्त्व सर्वाधिक है। कारण यह है कि भूतकाल स्मृतियों के रूप में संचित हो जाता है और भविष्य कल्पनाओं के रूप में प्रस्फुटित होता रहता है। इन दोनों पर ही हमारा लेशमात्र भी नियंत्रण नहीं होता। समय के जिस पहलू को हम अपने अनुसार नियंत्रित और समायोजित कर सकते हैं, वह है वर्तमान।

इतना अवश्य है कि इस वर्तमान को सुंदर ढंग से चित्रित करने और सजाने-संवारने में हम भूतकाल की स्मृतियों और अनुभवों तथा भविष्य के लिए की गई कल्पनाओं का सहारा ले सकते हैं। वर्तमान का प्रत्येक छोटे से छोटा क्षण हमारे लिए एक छोटे से जीवन की भांति है, जिसको हमें खुलकर पूरी प्रसन्नता और उत्साह के साथ जीने का प्रयास करना चाहिए। भूतकाल के साथ अनेक सकारात्मक और नकारात्मक पहलू जुड़े रहते हैं। अच्छे अनुभव और स्मृतियां इसके सकारात्मक पहलू हैं, जबकि असफलताएं, कठिन संघर्ष और कष्ट भूतकाल के नकारात्मक पहलू को निर्मित करते हैं।

यह पूर्णतया हमारी बुद्धिमत्ता और विवेक पर निर्भर करता है कि हम भूतकाल के किस पहलू का उपयोग वर्तमान की रचना करने में करते हैं। रही बात भविष्य की, तो वह तो पूर्णतया हमारे हाथ से बाहर है। हम केवल और केवल अपने लक्ष्य से संबंधित अच्छी कल्पनाएं करके, उनके रंगों को वर्तमान के आलेखन में सुव्यवस्थित और सुनियोजित ढंग से भर सकते हैं। भविष्य को लेकर अपने मन में प्रतीक्षा का भाव रखना और इस कारण वर्तमान की उपेक्षा करते रहना नितांत अविवेकपूर्ण है। यह एक कटु सत्य है कि जब वर्तमान भूतकाल में परिणत हो जाता है, तभी हमें उसकी वास्तविक सुंदरता का अनुभव होता है। भूतकाल के लिए पश्चाताप और भविष्य के लिए चिंता हमें एक ऐसे भंवर में धकेल देते हैं, जो हमारे सुंदर सपनों और आकांक्षाओं से हमें हमेशा के लिए दूर कर देता है। हमें आशा, शांति, सुकून और संतोष से भरे हुए जीवन का अनुभव करने के लिए भूत और भविष्य पर केंद्रित न रहते हुए सतत रूप से वर्तमान की सुंदरता का रसास्वादन करते रहना चाहिए।

वर्तमान की उपेक्षा करना किसी भी दृष्टिकोण से बुद्धिमता का परिचायक नहीं है, क्योंकि वर्तमान और वास्तविकता सही मायने में एक दूसरे के पर्याय हैं। भूतकाल नहीं हुआ है। इसलिए भूतकाल और भविष्य से बंधे रहकर वर्तमान की सुंदरता को भूल जाना कहीं न कहीं हमारे अविवेक और अदूरदर्शिता को ही दर्शाता है। वर्तमान वास्तविकता के दायरे को पार करके एक अलग आयाम में पहुंच चुका है, जबकि भविष्य अभी वास्तविकता में परिणत ही नहीं हुआ है।

आवश्यकता है केवल उसे पहचानते हुए उसकी अद्भुत सुंदरता में खोकर जीवन के उस अमूल्य क्षण में छिपे हुए आनंद की अनुभूति करने की। भूतकाल की कल्पना का प्रत्येक पल अपने आप में एक अल्पकालिक, लेकिन सुंदर से जीवन को अभिव्यक्त करता हुआ प्रतीत होता है।

और भविष्य की चिंता निश्चित रूप से इस अनुभूति में बहुत बड़ी बाधक बन सकती है। चिंता, दुख और निराशा जैसे भाव तभी जन्म लेते हैं, जब हम या तो भूतकाल के विषय में अधिक विचार करते हैं या फिर भविष्य को लेकर अगणित निराधार कल्पनाओं में खो जाते हैं।

वर्तमान तो ऐसा क्षण है, जिसको अपनी अपेक्षानुरूप आकार देना पूर्ण रूप से हमारे अपने वश में होता है। जरा अपने विवेक और दूरदर्शिता के साथ इस तथ्य के विषय में विचार करें कि जो हमारे विचारों, बुद्धिमता एवं क्षमताओं के दायरे से बाहर है, उसके पीछे अपने अमूल्य समय को बर्बाद करके हमें क्या हासिल होने वाला है। हमारे दृष्टिक्षेत्र एवं कल्पनाक्षेत्र की सीमाओं के भीतर केवल और केवल वर्तमान ही है। सुख एवं प्रसन्नता का भाव केवल और केवल वर्तमान पर केंद्रित रहकर ही अर्जित किया जा सकता है। भविष्य को लेकर योजना बनाना तो सर्वथा उचित है किंतु यह मान लेना कि भविष्य हमारे विचारों के अनुरूप ही आकार ग्रहण करेगा, बेवकूफी है। वर्तमान का प्रत्येक क्षण शांति एवं प्रसन्नता का अथाह भंडार है, बशर्ते कि भूतकाल एवं भविष्य से संबंधित किसी भी तरह के विचार का उसके साथ कोई भी दखल न हो। प्रत्येक दिन हमें जीवन के रूप में प्रकृति द्वारा दिए गए अमूल्य उपहार के लिए उसे हृदय से धन्यवाद देना चाहिए।

प्रकृति के द्वारा रची गई सुंदर एवं अद्भुत प्रकृति की गोद में अपना कुछ समय व्यतीत करते हुए उसके मौन संदेश को सुनने एवं समझने का प्रयास करना चाहिए। प्रकृति की मौन ध्वनि को केवल और केवल उसी स्थिति में समझा जा सकता है जबकि हम शांत चित्त से एकांत में बैठकर अपनी अंतरात्मा से जुड़ने का प्रयास करें। मगर क्या यह उस स्थिति में संभव है जब हमारे अंतर्मन में भूतकाल एवं भविष्य को लेकर अनेक उधेड़बुन चल रही हो। संभवतः नहीं, क्योंकि प्रकृति से सच्चे अर्थों में जुड़ने के लिए मन का विकारमुक्त होना नितांत आवश्यक है। चिंता एवं अनावश्यक विचारों की भीड़ मन को विकृत करने में अहम भूमिका निभाती हैं। जब मन पूर्णरूपेण वर्तमान के साथ सम्बद्ध होता है, तो हमारी भावनाएं, विचार, इच्छाशक्ति एवं संवेदनाएं बाहरी परिवेश के साथ पूर्णतया लयबद्ध होती हैं और ऐसी स्थिति में हम अपने अंतस के भीतर एक अद्भुत आनंद को जन्म लेता हुआ महसूस कर सकते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो वर्तमान से जुड़ाव ही जीवन को एक सही एवं अर्थपूर्ण दिशा प्रदान कर सकता है।

शेष प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम का गठन कर त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु दिए गए निर्देश

शैलेश कुमार जिलाधिकारी भदोही व अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा थाना ज्ञानपुर औराई पर उपस्थित रहकर सुनी गई फरियादियों की समस्याएं

समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा सर्किल के थानों एवं थाना प्रभारियों द्वारा सम्बन्धित थानों पर प्रशासनिक टीम के साथ थाना समाधान दिवस का किया गया आयोजन

भदोही। जनसुनवाई के दौरान आज समस्त थानों पर प्राप्त कुल-81 प्रार्थना पत्रों (राजस्व विभाग से सम्बंधित 68- व पुलिस-13) पर त्वरित कार्यवाही करते हुए राजस्व विभाग से संबंधित 03 व पुलिस विभाग से सम्बन्धित सभी 13 शिकायतों का मौके पर ही किया गया निस्तारण

शासन की मंशा के अनुरूप फरियादियों को त्वरित न्याय की व्यवस्था हेतु प्रत्येक शनिवार आयोजित 'थाना समाधान दिवस' के क्रम में आज दिनांक-13.09.2025 को जनपद के समस्त थानों पर 'थाना समाधान दिवस' का आयोजन किया गया। '

शैलेश कुमार' जिलाधिकारी भदोही तथा ' अभिमन्यु मांगलिक' पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा थाना औराई पर उपस्थित रहकर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। इसी क्रम में समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा सर्किल के थानों एवं समस्त थाना प्रभारियों द्वारा सम्बंधित थानों पर प्रशासनिक टीम के साथ समाधान दिवस का आयोजन कर जनता की समस्याओं को सुना गया व उनका निस्तारण राजस्व कर्मियों के साथ उपस्थिति रह कर किया गया। जन सुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए कुछ का मौके पर ही निस्तारण किया गया तथा कुछ प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। जनता के शिकायतों को सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को जमीन सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गये, जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके। आज आयोजित थाना समाधान दिवस के दौरान समस्त थानों पर प्राप्त कुल-81(राजस्व विभाग से सम्बंधित 68 व पुलिस-13) प्रार्थना पत्रों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए राजस्व विभाग संबंधित 03व पुलिस विभाग से सम्बंधित सभी 13 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम का गठन कर त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु व्यापक निर्देश दिए गए।

शनिवार झूसी के कैलाश धाम में संयुक्त ब्राह्मण महासभा

प्रयागराज। शनिवार झूसी के कैलाश धाम में संयुक्त ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में एक विशाल जनसभा आयोजित की गई जिसमें प्रमुख रूप से प्रदेश के कई संगठनों ने हिस्सा लिया और इसमें कई विचार रखे गए
जिसमें प्रमुख रूप से सवर्ण आयोग का गठन तथा अदांवा चौराहे को मंगल पांडे मूर्ति लगाकर नामकरण करने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें प्रमुख रूप से संयुक्त ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष सुदर्शन जी महाराज नवयुवक ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित लवकेश मिश्रा विश्व बंधुत्व ब्राह्मण महासभा के श्याम सुंदर पांडे गरुण सेना के आशीष तिवारी ब्राह्मण परिषद के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र मिश्रा एवं सूर्यमणि पांडे संजय पांडे ऋषभ पांडे कुलदीप मिश्रा मुन्ना शुक्ला हरसू प्रसाद शुक्ला आदि ब्राह्मणो ने ब्राह्मण सम्मेलन में हिस्सा लिया एवं सम्मेलन समाप्ति पर पौधारोपण का भी आयोजन किया गया

आयुर्वेद दिवस 2025 का आयोजन 23 सितम्बर को - डॉ जी एस तोमर

प्रयागराज। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का आयोजन 2016 से 2024 तक प्रतिवर्ष धन्वन्तरि जयन्ती को त्रयोदशी के दिन मनाया जाता रहा है । आयुर्वेद की बढ़ती हुई लोकप्रियता के कारण अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तरह अनेकों देश आयुर्वेद दिवस मनाने हेतु उत्सुकता प्रकट की है । इस दृष्टि से प्रधानमंत्री महोदय के निर्देश पर आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने एक समिति गठित कर इसे व्यवहार में आ रही किसी तिथि को मनाने का सुझाव माँगा । जिससे अधिकतर देश इस उत्सव में भागीदार बन सकें । सौभाग्य से मैं भी उक्त समिति का सदस्य था । समिति ने यह ध्यान में रखकर कुछ अन्य तिथियों के साथ 23 सितम्बर इस आशय से सुझाया क्योंकि इस तिथि को रात दिन दोनों बराबर (ईक्वीमोक्स) होते हैं । चूँकि आयुर्वेद वात पित्त कफ़ आदि की साम्यता की बात करता है । अतः यह तिथि आयुर्वेद दिवस के लिए सबसे उपयुक्त होगी । उक्त समिति के सुझाव को स्वीकार करते हुए आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने ग़ज़ट नोटीफिकेसन कर इसे मूर्त रूप प्रदान करते हुए प्रति वर्ष 23 सितम्बर को आयुर्वेद दिवस मनाने का निर्णय लिया है । अतः 10वां आयुर्वेद दिवस अब 23 सितम्बर को मनाया जाएगा । विश्व आयुर्वेद मिशन, इस उत्सव का प्रारम्भ प्रयागराज की पावन भूमि से 14 अप्रैल को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रम से करने जा रही है । इसके पश्चात दि. 15 सितम्बर को पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन होगा । तदुपरांत 17 सितम्बर को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगा नाथ झा परिसर प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन सुनिश्चित किया गया है । इसी के सातत्य में दि. 21 सितम्बर को कोची (केरल) में चिकित्सकों की एक वैज्ञानिक संगोष्ठी प्रस्तावित है । अन्त में दि. 23 सितम्बर को नीमा के संयुक्त तत्वावधान में मीरजापुर में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है । इस वर्ष आयुर्वेद दिवस का थीम 'आयुर्वेद जन जन के लिए / पृथ्वी के कल्याण के लिए' है । अतः इस उत्सव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों, जागरूकता अभियानों, क्विज, पोस्टर, निबंध, भाषण प्रतियोगिताओं एवं पर्यावरण संरक्षण पर कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से जन जन को आयुर्वेद की उपयोगिता से परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है । आयुर्वेदीय जीवनशैली आज वैश्विक परिदृश्य में अत्यंत लोकप्रिय हो रही है । इसको जन जन तक पहुँचाने के साथ नवाचारों के माध्यम से आयुर्वेद का लाभ स्वस्थ समाज एवं पीड़ित मानवता तक पहुंचाना इस उत्सव का ध्येय है ।

थरवई पड़िला बाजार में व्यवसायी के घर लाखों की चोरी

थरवई। क्षेत्र के पड़िला महादेव गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक व्यवसायी के घर को निशाना बनाते हुए लाखों का सामान पार कर दिया। जानकारी के अनुसार पीड़ित प्रेम बाबू हलवाई, निवासी पड़िला महादेव का मकान निर्माणाधीन है। इसी का फायदा उठाते हुए चोरों ने रात में घर के मुख्य दरवाजे पर लगे शटर का ताला खोलकर घर में घुस गए और अलमारी व बक्से खंगाल डाले। चोरों ने ?1 लाख 20 हजार नगद, सोने की दो हार, एक जंजीर, चार अंगूठियां, करीब एक किलो चांदी के आभूषण समेत पांच लाख रुपये से अधिक मूल्य के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। यही नहीं, घर में रखी डीजे की आठ मशीनें भी चोर उठा ले गए।
सुबह जब परिजनों को चोरी की जानकारी हुई तो पूरे परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पीड़ित ने थरवई थाने में दी। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर जांच पड़ताल कर रही है इस मामले में प्रभावित निरीक्षक ओमप्रकाश का कहना है की घटना की तहरीर प्राप्त हुई है आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल जा रहा है

थरवई थाना परिसर में समाधान दिवस, 5 मामलों का हुआ निस्तारण

थरवई। थाना थरवई परिसर में शनिवार को समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नायब तहसीलदार नवल किशोर शुक्ला ने की। इस दौरान क्षेत्र से आए कुल आठ प्रार्थना पत्रों में से तीन राजस्व संबंधी एवं पाँच पुलिस से संबंधित मामले दर्ज हुए। पाँच मामलों का निस्तारण कर दिया गया। निरीक्षक ओम प्रकाश, क्षेत्रीय लेखपाल सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

मथुरा में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, एक अन्य व्यक्ति घायल

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।
पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात दिल्ली से आगरा की ओर जा रही तेज रफ्तार एक कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई, जिससे वाहन में सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान औरैया निवासी श्रवण अवस्थी (32) औरदिल्ली निवासी शुभम मिश्रा (30) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वहीं घायल शिवम पाण्डेय अयोध्या का रहने वाला है और उसका इलाज निजी अस्पताल में जारी है। जैंत थाना प्रभारी ने बताया कि तीनो लोग शिवम पाण्डेय की बहन को दिल्ली उसके ससुराल छोड़ने आए थे। उन्होंने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

धीरेंद्र शास्त्री का संदेशः पड़ोसी देशों से सीखो, सामाजिक समरसता ही देश को बचाएगी

बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित भगवान विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए और कहा कि देश को बचाना है और अगर हम नहीं चाहते कि भारत की स्थिति हमारे पड़ोसी देशों जैसी हो, तो देश में सामाजिक समरसता का होना ज़रूरी है। आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए वे 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा करेंगे।
अपनी पदयात्रा पर मीडिया से बात करते हुए शास्त्री ने कहा कि काशी आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम सामाजिक समरसता और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा करने जा रहे हैं। इसके लिए हमने आज भगवान विश्वनाथ के चरणों में प्रार्थना की। देश को बचाना होगा। अगर हम नहीं चाहते कि भारत की स्थिति हमारे पड़ोसी देशों जैसी हो, तो देश में सामाजिक समरसता जरूरी है। वैमनस्य दूर करना बहुत जरूरी है। भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना बहुत जरूरी है। भारत एक अघोषित हिंदू राष्ट्र है। लोगों के विचारों और दिलों में भारत को हिंदू राष्ट्र बनाना जरूरी है। यहां से हम गया जी जाएंगे।
इससे पहले, शुक्रवार को, मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने भगवान शिव को समर्पित काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए। बाद में, उन्होंने अपने आधिकारिक यात्रा कार्यक्रम के तहत अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर जाकर अपनी आध्यात्मिक यात्रा जारी रखी। प्रधानमंत्री रामगुलाम के मंदिर दौरे के बाद पर एक पोस्ट में, विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत किया है।
उन्होंने कहा कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने वाराणसी में पवित्र काशी विश्वनाथ धाम में पूजा-अर्चना की। यह यात्रा भारत और मॉरीशस को जोड़ने वाले गहरे सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को दर्शाती है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री वर्तमान में 9 सितंबर से 16 सितंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

दिल्ली के ताज पैलेस में बम की धमकी से हड़कंप, पुलिस जांच में निकली कोरी अफवाह!

नई दिल्ली। दिल्ली के ताज पैलेस को शनिवार को एक ईमेल के ज़रिए बम की धमकी मिली, जिसे बाद में एक अफवाह बताया गया। ताज पैलेस के एक प्रवक्ता ने कहा, 'गहन सुरक्षा जाँच के बाद सरकारी अधिकारियों ने बताया है कि यह घटना एक अफवाह थी। हमारे मेहमानों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है और हम लगातार सतर्क हैं। यह घटना शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय परिसर में ईमेल के ज़रिए मिली बम की धमकी के बाद हाई अलर्ट जारी किए जाने के एक दिन बाद हुई है, जिसके बाद पूरे न्यायालय परिसर को तुरंत खाली करा दिया गया। न्यायालय की आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेजे गए इस खतरनाक संदेश में दावा किया गया था कि न्यायाधीश के कक्ष में एक विस्फोटक उपकरण लगाया गया है और दोपहर की नमाज़ के तुरंत बाद उसे विस्फोटित किया जाएगा।
उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर, बम निरोधक दस्ता, खोजी कुत्तों का दस्ता और त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्यूआरटी) सहित दिल्ली पुलिस की कई टीम तुरंत मौके पर पहुंच गईं।
अधिकारी ने बताया, "हम होटल पहुंचे और व्यापक तलाशी अभियान चलाया। सभी सार्वजनिक क्षेत्रों, पार्किंग स्थलों, लॉबी और कमरों की बम निरोधक उपकरणों और खोजी कुत्तों की मदद से गहन जांच की गई।" एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और धमकी को अफवाह घोषित कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि साइबर टीम ईमेल भेजने वाले का पता लगाने का प्रयास कर रही हैं। यह घटना दिल्ली उच्च न्यायालय को ईमेल के माध्यम से इसी तरह की बम की धमकी मिलने के एक दिन बाद हुई है।

सवाल सुनते ही सपा विधायक बौखलाए, पत्रकारों का माइक लेकर भागे

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी में सपा विधायक रईस शेख शनिवार को एक बार फिर विवादों में घिर गए। शहर की ट्रैफिक समस्या और सड़कों का निरीक्षण करने पहुंचे विधायक का ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने उनकी छवि पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में विधायक को पत्रकारों से सवाल सुनते ही बौखलाते और उनका कॉलर माइक लेकर आगे बढ़ते देखा जा सकता है। शनिवार को विधायक रईस शेख, भिवंडी मनपा आयुक्त अनमोल सागर और मुंबई से आए इंजीनियरों के साथ बागे फिरदोश मस्जिद से वंजारपट्टी नाका तक के ट्रैफिक सर्वेक्षण पर निकले थे। इसके अलावा फातमा नगर, चाविंदा और शांतिनगर की 100 फुटी सड़क का भी निरीक्षण किया गया। सब कुछ सामान्य चल रहा था, लेकिन जैसे ही सोशल मीडिया से जुड़े पत्रकारों ने कल्याण रोड के व्यापारियों की समस्या और पुराने डीपी प्लान में बदलाव कर नए डीपी प्लान से बिल्डरों को फायदा पहुँचाने का सवाल पूछा, विधायक असहज हो गए।जवाब देने की बजाय उन्होंने अचानक कालर में लगे माइक को लेकर चलते बने। इस दौरान मौजूद नागरिकों ने पूरा वाकया मोबाइल में कैद कर लिया और कुछ ही देर में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अब भिवंडी की जनता विधायक से सवाल पूछ रही है कि जब सब कुछ पारदर्शी है तो जवाब देने से क्यों बचा गया। लोगों का कहना है कि यदि बिल्डरों को फायदा नहीं पहुँचाया गया, तो विधायक को सवाल का सीधा उत्तर देना चाहिए था। माइक लेकर भागना जनता की समस्याओं से मुंह मोड़ने जैसा है। भिवंडी की सियासत में इस घटना ने भूचाल ला दिया है। निरीक्षण के जरिए जनता को संदेश देने निकले विधायक का यह वीडियो उनकी पोल खोल रहा है। शहर में चर्चा तेज है कि आखिर कल्याण रोड और डीपी प्लान में ऐसा क्या राज़ है, जिससे विधायक सवाल से बचते दिखे। भिवंडी की जनता अब साफ कह रही है कि सवालों से भागकर सच्चाई दबाई नहीं जा सकती। माइक लेकर भागने से मुद्दे खत्म नहीं होते, बल्कि और गहराते हैं।

भिवंडी में फर्जी डॉक्टरों पर मामला दर्ज, बिना डिग्री कर रहे थे इलाज.

भिवंडी। शांतिनगर पुलिस ने तीन व्यक्तियों के खिलाफ गैरकानूनी रूप से डॉक्टरी प्रैक्टिस करने का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि ये लोग बिना किसी वैध डिग्री और प्रमाणपत्र के मरीजों का इलाज कर रहे थे और भोले-भाले नागरिकों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे थे। शिकायत डॉ.राजकुमार रामनारायण शर्मा, वैद्यकीय अधिकारी, भिवंडी निजामपूर महानगरपालिका की ओर से दर्ज कराई गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में भिमराव ग्यानबा कावडे (40), मो.शमीम सिद्दीकी (52) और मो.अयुब हनीफ (30) शामिल हैं। ये लोग शांतिनगर, साईनगर, धामणकर नाका और अन्य इलाकों में रहकर स्लम बस्ती में क्लिनिक चलाकर कथित तौर पर इलाज कर रहे थे।मामला 11 सितंबर की शाम सामने आया जब मेडिकल टीम ने अचानक जांच की। जांच में पता चला कि आरोपी डॉक्टरों के पास महाराष्ट्र राज्य की ओर से मान्यता प्राप्त डिग्री नहीं है। फिर भी ये लोग लोगों को दवाईयां दे रहे थे और इलाज कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि यह सीधा-सीधा महाराष्ट्र प्रेवेंशन एक्ट 1961 का उल्लंघन है। शांतिनगर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र प्रिवेंशन एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।जिसकी आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश गायकर कर रहे है।

बिजली चोरी के आरोप में चार लोगों पर केस दर्ज

भिवंडी। शांतिनगर पुलिस थाने की हद में बिजली चोरी के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। टोरेंट पॉवर कंपनी की कार्रवाई में यह खुलासा हुआ है कि आरोपियों ने अवैध रूप से डायरेक्ट कनेक्शन लेकर भारी मात्रा में बिजली की चोरी की। इससे कंपनी को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। पहले मामले में टोरेंट पॉवर कंपनी के एक्जीक्यूटिव शंकर गणपति सावरतकर ने दर्ज कराई। आरोप है कि सज्जाद अहमद नासिर अंसारी और आलम नामक आरोपी ने बिना किसी वैध कनेक्शन के अवैध तार जोड़कर बिजली का उपयोग किया। निरीक्षण में पता चला कि आरोपी लंबे समय से सीधे बिजली लाइन से कनेक्शन लेकर अपने परिसर में लाइट और उपकरण चला रहे थे। इस चोरी से लगभग 1,42,965 रूपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। दूसरे मामले में शिकायत योगेश दिलीप काले (व्यवस्थापक) ने की। यहां आरोपी बद्रेआलम अंसारी और सद्दाम नामक व्यक्ति पर आरोप है कि उन्होंने टोरेंट पॉवर कंपनी के टॅपेट में अवैध कनेक्शन लिया। जांच में साबित हुआ कि उन्होंने टॅपेट से छेड़छाड़ कर सीधे तार जोड़कर बिजली की खपत की। इस मामले में कंपनी को लगभग 15 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। दोनों घटनाओं में पुलिस ने विज अधिनियम 2003 की धारा 138 और भा.न्या.सं. की धारा 324 तथा सार्वजनिक संपत्ति नुकसान 1984 के कलम 3 के तहत केस दर्ज किया है. भिवंडी इलाके में बिजली चोरी आम बात हो गई है। इससे न केवल विभाग को करोड़ों का नुकसान होता है बल्कि ईमानदार उपभोक्ताओं पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ता है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में ऐसे अवैध कनेक्शनों पर और कड़ी कार्रवाई होगी।

पुलिस ने अवैध जुआ अड्डों पर मारा छापा, कई गिरफ्तार

भिवंडी। निजामपुरा पुलिस स्टेशन की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर अवैध जुआ खेलते हुए कई आरोपियों को रंगेहाथ पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से नकद रकम भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार कांदा वटाटा मार्केट में वर्षो से संचालित मटका जुआ अड्डे पर पुलिस ने छापा मार फिरोज समसूद्दीन खान, राजकुमार केदारनाथ सोनी, राजेन्द्र संदिपान कांबले और इकबाल रफिक शेख को मटका जुआ खेलते मिले। पुलिस ने मौके से1800 रूपये नकद जब्त किए। इसी तरह पुलिस ने खाड़ीपार पुल के पास भी छापा मारा। यहां साबीर कबीर खान, अब्दुल ताहिर खान मुर्तजा और मुरलीधर नायर को जुआ खेलते गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यहां से भी 1650 रूपये नकद बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए यह कार्रवाई की गई। दोनों मामलों में आरोपी भारतीय न्याय संहिता व महाराष्ट्र जुगार प्रतिबंधक कानून के तहत दोषी पाए गए है। भिवंडी पुलिस ने साफ किया है कि जुआ अड्डों और ऐसे गैरकानूनी कामों पर अब किसी भी तरह की ढील नहीं दी जाएगी। लगातार छापेमारी कर ऐसे अड्डों का सफाया किया जाएगा।

पति पर पत्नी ने लगाया बदनामी और धमकी देने का आरोप

भिवंडी। शांतिनगर पुलिस स्टेशन में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ गंभीर शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता महिला ने पुलिस को बताया कि उनके पति शहनशाह आलम अंसारी ने न केवल उनकी बदनामी की बल्कि जान से मारने और बेटी की इज्जत को खतरे में डालने की धमकी भी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पत्नी की तस्वीरें दिखाकर यह कहते हुए उसकी चरित्र पर उंगली उठाई कि 'यह अच्छी औरत नहीं है'। इतना ही नहीं, उसने पीड़िता को धमकाया कि उनकी बेटी की भी समाज में बदनामी की जाएगी। महिला का आरोप है कि इस तरह के व्यवहार से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है और उन्हें शारीरिक व मानसिक छल का सामना करना पड़ा है।घटना की शिकायत 12 सितंबर को दर्ज कराई गई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 85,352,356(2),351(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीट को लेकर बस में विवाद, मजदूर की पिटाई, दो सहकर्मियों पर मामला दर्ज

भिवंडी। कंपनी की बस में सीट पर बैठने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो मजदूरों ने अपने ही साथी श्रमिक की पिटाई कर दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटना 10 सितंबर की रात करीब साढ़े आठ बजे की है। काम खत्म कर तीनों मजदूर कंपनी की बस से भिवंडी लौट रहे थे। सीट पर बैठने को लेकर कहासुनी शुरू हुई। जब बस आनंद दिघे चौक पर पहुंची तो विवाद बढ़ गया। आरोप है कि गैबीनगर निवासी शाहनवाज इब्राहिम अंसारी और शाहिद ने अपने साथी मोहम्मद वसीम गुलाम मोहम्मद इराकी (21) को गालियां दीं और बस से उतारकर उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दोनों सहकर्मियों के खिलाफ मारपीट और गाली-गलौज की धाराओं में मामला दर्ज किया है। घायल मजदूर का उपचार स्थानीय अस्पताल में किया गया। पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क किनारे रखा लोहा चैनल और दो मोटरसाइकिल चोरी

भिवंडी। भिवंडी पुलिस उपायुक्त कार्यालय परिमंडल दो के अंतर्गत तीन अलग-अलग चोरी की घटनाएं सामने आई हैं। इनमें सड़क किनारे रखा गया लोहे का चैनल और दो मोटरसाइकिल चोरों ने पार कर दी हैं। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना में, भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन की हद में सड़क किनारे रखा गया कीमती लोहा चैनल अज्ञात चोरों ने चुरा लिया। चैनल का बाजार मूल्य 70 हजार रुपये बताया जा रहा है। शेलार निवासी संदिप मुनिकात शेलार ने इसकी शहर पुलिस थाना में शिकायत दर्ज करवाया है। शहर पुलिस ने मौके पर पंचनामा किया और केस दर्ज कर लिया है,दूसरी और तीसरी घटनाएं निजामपूरा व नारपोली पुलिस स्टेशन की हद में हुईं। यहां अज्ञात चोरों ने अलग-अलग जगहों से दो मोटरसाइकिलें चुराईं। दोनों वाहनों का रजिस्ट्रेशन नंबर व मालिक की जानकारी पुलिस ने दर्ज कर ली है। चोरी की कुल कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। तीनों मामलों में अज्ञात लोगों के खिलाफ चोरी का अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से चोरों का सुराग तलाश रही है।

रेलवे दिवाली/छठ त्योहार के लिए हडपसर-दानापुर-हडपसर पूजा विशेष ट्रेनों की 20 सेवाएँ चलाएगा और एलटीटी-धनबाद, एलटीटी-रक्सौल और एलटीटी-सहरसा विशेष ट्रेनों के संचालन का विस्तार करेगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलवे दिवाली/छठ पूजा त्योहार के सीजन में यात्रा करने के इच्छुक यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए हडपसर-दानापुर-हडपसर पूजा विशेष ट्रेनों की 20 सेवाएँ चलाएगा और एलटीटी-धनबाद, एलटीटी-रक्सौल और एलटीटी-सहरसा विशेष ट्रेनों के संचालन का विस्तार करेगा।

हडपसर - दानापुर-हडपसर पूजा विशेष ट्रेनों की 20 सेवाओं का विवरण इस प्रकार है

हडपसर - दानापुर-हडपसर साप्ताहिक विशेष (20 सेवाएँ)

03214 साप्ताहिक विशेष दिनांक 29.09.2025 से 01.12.2025 तक प्रत्येक सोमवार को हडपसर से सुबह 06.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19.45 बजे दानापुर पहुँचेगी।

03213 साप्ताहिक विशेष दिनांक 27.09.2025 से 29.11.2025 तक प्रत्येक शनिवार को दानापुर से रात 21.00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 04.15 बजे हडपसर पहुँचेगी।

ठहरावः दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, बेलापुर, कोपरगाँव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, मदन महल, कटनी, मैहर, सतना, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा।

संरचनाः आठ वातानुकूलित 3-टियर इकोनॉमी, 8 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार।

एलटीटी-धनबाद, एलटीटी-रक्सौल और एलटीटी-सहरसा विशेष ट्रेनों की सेवाओं के विस्तार का विवरण इस प्रकार है

एलटीटी मुंबई-धनबाद - एलटीटी मुंबई साप्ताहिक विशेष (18 सेवाएँ)

03380 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - धनबाद साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक गुरुवार को चलती है, जिसे पहले दिनांक 02.10.2025 तक चलाने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब दिनांक 09.10.2025 से 04.12.2025 तक बढ़ा दिया गया है। (9 सेवाएँ)

03379 धनबाद - लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक मंगलवार को चलती है और जिसे पहले दिनांक 30.09.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब दिनांक 07.10.2025 से 02.12.2025 तक बढ़ा दी गई है। (9 सेवाएँ)

संरचनाः दो वातानुकूलित 2-टियर, दो वातानुकूलित 3-टियर, छह वातानुकूलित 3-टियर इकोनॉमी, 6 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सेकंड सीटिंग सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार।

एलटीटी मुंबई-रक्सौल-एलटीटी मुंबई साप्ताहिक विशेष (20 सेवाएँ)

05558 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - रक्सौल साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक गुरुवार को चलती है और जिसे पहले दिनांक 26.06.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब दिनांक 25.09.2025 से 27.11.2025 तक बढ़ा दी गई है। (10 सेवाएँ)

05557 रक्सौल - लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक मंगलवार को चलती है और जिसे पहले दिनांक 24.06.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब दिनांक 23.09.2025 से दिनांक 25.11.2025 तक बढ़ा दी गई है। (10 सेवाएँ)

संरचनाः एक वातानुकूलित प्रथम श्रेणी सह 2 - टियर, दो वातानुकूलित 2 - टियर, छह वातानुकूलित 3- टियर, 7 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेकवैन और 1 जनरेटर कार।

एलटीटी मुंबई-सहरसा-एलटीटी मुंबई साप्ताहिक विशेष (22 सेवाएं)

05586 लोकमान्य तिलक टर्मिनस - सहरसा साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक रविवार को चलती है और जिसे पहले दिनांक 29.06.2025 तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब दिनांक 21.09.2025 से दिनांक 30.11.2025 तक बढ़ा दी गई है। (11 सेवाएँ)

05585 सहरसा - लोकमान्य तिलक टर्मिनस साप्ताहिक विशेष, जो प्रत्येक शुक्रवार को चलती है और जिसे पहले दिनांक 27.06.2025 तक चलाने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब दिनांक 19.09.2025 से दिनांक 28.11.2025 तक बढ़ा दी गई है। (11 सेवाएँ)

संरचनाः दो वातानुकूलित 2-टियर, पाँच वातानुकूलित 3-टियर, दो वातानुकूलित 3-टियर इकोनॉमी, 6 शयनयान श्रेणी, 5 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सिटिंग सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार।

ट्रेन संख्या 03380/03379, 05558/05557 और 05586/05585 के समय और ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा।

डआरक्षणः विशेष ट्रेन संख्याः 03214 और विशेष ट्रेन संख्याः 03380, 05558 और 05586 की विस्तारित यात्राओं के लिए बुकिंग दिनांक 15.09.2025 को सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट http://www.irctc.co.in पर शुरू होगी। अनारक्षित डिब्बों की बुकिंग यूटीएस प्रणाली के माध्यम से की जा सकती है, जिसमें सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए लागू अनारक्षित सीटों के लिए सामान्य शुल्क लिया जाएगा।

इन विशेष ट्रेनों के ठहराव और समय की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें। यात्रियों से अनुरोध है कि वे विशेष ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाएँ।

साधु-संतों को मायावती की सख्त चेतावनी! कहा- 'बाबा साहेब पर टिप्पणी करना छोड़ दें'

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने शनिवार को कुछ साधु-संतों को बाबा साहब भीमराव आंबेडकर पर चुप रहने और किसी प्रकार की कोई टिप्पणी न करने की सलाह दी। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "जैसा कि विदित है कि आए दिन सुर्खियों में बने रहने के लिए विवादित बयानबाजी करने वाले कुछ साधु-संतों को बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के भारतीय संविधान के निर्माण में उनके अतुल्य योगदान की सही जानकारी नहीं है। इसलिए इस संबंध में किसी भी तरह की गलत बयानबाजी करने के बजाय वे चुप रहें तो उचित होगा।'

उन्होंने कहा, 'साथ ही, बाबा साहेब के अनुयायी मनुस्मृति का विरोध क्यों करते हैं? जातिवादी द्वेष की भावना को त्याग कर उन्हें इसे जरूर समझना चाहिये।' मायावती ने पोस्ट में कहा, 'इसके साथ-साथ यह भी मालूम होना चाहिये कि बाबा साहेब महान् विद्वान व्यक्तित्व थे।

इस मामले में किसी प्रकार की कोई भी टिप्पणी करने वाले साधु-संत उनकी विद्वता के मामले में कुछ भी नहीं हैं। अतः इस बारे में भी कुछ कहने से पहले बचना चाहिये, यही नेक सलाह है।' सपा प्रमुख ने हालांकि अपने पोस्ट में किसी साधु-संत का जिक्र नहीं किया।

बिहार की सियासत में तेजस्वी का बड़ा दांव, 'अधिकार यात्रा' से साधेंगे 2025 का लक्ष्य

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक नए जनसंपर्क अभियान की शुरुआत करने वाले हैं। उनकी बिहार अधिकार यात्रा 16 सितंबर को जहानाबाद से शुरू होकर 20 सितंबर को वैशाली में समाप्त होगी, जो पाँच दिनों में 10 जिलों से होकर गुज़रेगी। इस यात्रा के दौरान, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, यात्रा के मार्ग में पड़ने वाले कई निर्वाचन क्षेत्रों में जनसंवाद के माध्यम से मतदाताओं से जुड़ेंगे।

राजद के प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार, संबंधित जिलों के पार्टी सांसदों, विधायकों, जिला अध्यक्षों और नेताओं को इस अभियान में शामिल होने का निर्देश दिया गया है। नियोजित मार्ग तेजस्वी को जहानाबाद से नालंदा, पटना, बेगुसराय, खगड़िया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल और समस्तीपुर होते हुए वैशाली तक ले जाएगा। यह पहल पिछले महीने हुई मतदाता अधिकार यात्रा के बाद की गई है, जिसमें यादव कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मतदाता सूची संशोधन से जुड़े मुद्दों पर प्रचार करने के लिए शामिल हुए थे। यह 15 दिवसीय यात्रा 17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई और 1 सितंबर को पटना में समाप्त हुई, जिसमें 20 जिलों में 1,300 किलोमीटर की यात्रा की गई।

तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को बिहार की विफल कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला और राज्य में भ्रष्टाचार की मौजूदा स्थिति पर ज़ोर दिया। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि बिहार में अपराध दर अपने चरम पर है और कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने खरौली विधायक के ड्राइवर की हत्या जैसी घटनाओं का हवाला देते हुए दावा किया कि बिहार में अपराध चरम पर है।

'सपनों का घर अधूरा न रह जाए', सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को आवास पुनरुद्धार कोष बनाने का निर्देश

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने करदाताओं और मध्यम वर्गीय घर खरीदारों को लेकर केंद्र सरकार को अहम निर्देश दिए है। कोर्ट ने घर खरीदारों की स्थिति को देखते हुए सरकार से कहा है कि वह अधूरे पड़े आवास परियोजनाएं को पूरा करने के लिए एक पुनरुद्धार फंड की स्थापना पर विचार करे। बता दें कि यह फंड ऐसे परियोजनाओं को अस्थायी वित्तीय सहायता देगा जो संकट में चल रहे हैं, ताकि घर खरीदारों के हितों की रक्षा हो सके।

मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जेबी पारडीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि राज्य का संवैधानिक कर्तव्य है कि वह एक ऐसा सिस्टम बनाए जिसमें कोई भी बिल्डर घर खरीदारों के साथ धोखा न कर सके और समय पर प्रोजेक्ट पूरा हो। कोर्ट ने कहा कि सरकार मूकदर्शक नहीं बन सकती और उसे घर खरीदारों और देश की अर्थव्यवस्था दोनों की रक्षा करनी होगी।

आरईआरए को लेकर कोर्ट की टिप्पणी

कोर्ट ने कहा कि रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (आरईआरए) जैसे संस्थान तब तक कारगर नहीं बन सकते जब तक उनके पास पर्याप्त संसाधन, अधिकार और अमल करने की ताकत न हो। इसके लिए कोर्ट ने हर राज्य की आरईआरए को छह महीने में मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का निर्देश भी दिया है ताकि खरीदारों के पैसे का सही इस्तेमाल हो।

स्वामी फंड को लेकर सुप्रीम कोर्ट का सुझाव

कोर्ट ने सुझाव दिया कि सरकार स्पेशल विंडो फॉर फंडिंग स्टॉल्ड अफोर्डेबल एंड मिडिल (स्वामी) फंड को विस्तार दे या फिर एनएआरसीएल जैसे कॉर्पोरेट निकाय बनाए जो अधूरे परियोजनाओं को टेकओवर करके उन्हें पूरा कर सके। कोर्ट ने आगे ये भी कहा कि ऐसे परियोजनाओं से बचा हुआ इन्वेंट्री सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना में इस्तेमाल हो सकता है।

सुनवाई के दौरान मामले में कोर्ट के अहम निर्देश

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कई अहम निर्देश दिए। इसमें कोर्ट ने कहा कि एनसीएलटी और एनलीएलएटी में खाली पदों को तुरंत भरा जाए और जब तक नियमित नियुक्तियां न हों, सेवानिवृत्त जजों की अस्थायी नियुक्ति की जाए। अदालतों में पानी रिसाव जैसी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कोर्टरूम्स की स्थिति सुधारने का भी निर्देश दिया गया।

भूपेन हजारिका की जयंती पर पीएम मोदी बोले, उनका संगीत एक भारत-श्रेष्ठ भारत की पहचान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुवाहाटी में भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में शामिल हुए। मोदी ने डॉ. भूपेन हजारिका की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लेते हुए उनके सम्मान में 'स्मारक सिक्का और डाक टिकट' जारी किया। वहीं, अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि आज का दिन अद्भुत है और ये पल अनमोल हैं। जो दृश्य यहां मैंने देखा, जो उत्साह और तालमेल मुझे दिखा, भूपेन संगीत की जो ली दिखी, अगर मैं भूपेन दा के शब्दों में ही कहूं, तो मन में बार-बार आ रहा था - ' समय ओ धीरे चलो, समय ओ धीरे चलो।'

नरेंद्र मोदी ने कहा कि अभी कुछ दिन पूर्व ही 8 सितंबर को भूपेन हजारिका जी का जन्मदिवस बीता है। उस दिन मैंने भूपेन दा को समर्पित एक लेख में अपनी भावनाएं व्यक्त की थी। मेरा सौभाग्य है कि उनके जन्मशताब्दी वर्ष के इस आयोजन में मुझे हिस्सा लेने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि भूपेन दा ने ऐसी अमर रचनाएं रचीं।

जो अपने स्वरों से भारत को जोड़ती रहीं। जो भारत की पीढ़ियों को झकझोरती रहीं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बहुत गर्व से भूपेन दा के जन्मशताब्दी वर्ष को सेलिब्रेट कर रही है। हम भूपेन हजारिका जी के गीतों को, उनके संदेशों को और उनकी जीवनयात्रा को घर-घर ले जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भूपेन हजारिका जी ने जीवन पर्यंत संगीत की सेवा की। संगीत जब साधना बनता है, तो वो हमारी आत्मा को छूता है और संगीत जब संकल्प बनता है, तो वो समाज को नई दिशा दिखाने का माध्यम बन जाता है। भूपेन दा का संगीत इसलिए ही इतना विशेष था। उन्होंने जिन आदर्शों को जिया, जो अनुभव किया, वही अपने गीतों में भी गाया। हम उनके गीतों में मां भारती के लिए इतना प्रेम इसलिए देखते हैं, क्योंकि वो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को जीते थे। भूपेन हजारिका का संगीत 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की अवधारणा को समाहित करता है; वह भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में रचे-बसे थे।

उन्होंने कहा कि भूपेन दा भारत की एकता और अखंडता के महान नायक थे। दशकों पहले, जब नॉर्थ ईस्ट उपेक्षा का शिकार था, नॉर्थ ईस्ट को हिंसा और अलगाववाद की आग में जलने के लिए छोड़ दिया गया था। तब भूपेन दा उस मुश्किल समय में भी भारत की एकता को ही आवाज देते रहे। मोदी ने कहा कि जब हम कनेक्टिविटी की बात करते हैं, तो लोगों को अक्सर रेल, रोड या एयर कनेक्टिविटी की याद आती है। लेकिन, देश की एकता के लिए एक और कनेक्टिविटी की जरूरत है, वो है कल्चरल कनेक्टिविटी। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में देश ने नार्थ ईस्ट के विकास के साथ साथ कल्चरल कनेक्टिविटी को भी बड़ी अहमियत दी है। ये एक अभियान है, जो अनवरत जारी है।

मनोरंजन

52 वर्ष की हुई महिमा चौधरी! 1997 में प्रदर्शित सुभाष घई की ब्लॉककबस्टर फिल्म परदेस से की बतौर अभिनेत्री अपने करियर की शुरूआत

मुंबई : बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री महिमा चौधरी 52 वर्ष की हो गयी। महिमा चौधरी का जन्म पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में 13 सितंबर 1973 को हुआ था। उन्होंने दसवीं कक्षा तक कुर्सेओंग में डॉवहिल में पढ़ाई की और बाद में दार्जिलिंग के लोरेटो कॉन्वेंट में चली गई। उन्होंने स्थानीय सौंदर्य प्रतियोगिता में 'मिस दार्जिलिंग' का खिताब जीता। महिमा ने बतौर अभिनेत्री अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1997 में प्रदर्शित सुभाष घई की

ब्लॉककबस्टर फिल्म परदेस से की। इस फिल्म के लिये उन्हें सर्वश्रेष्ठ डेब्यू अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार दिया गया। अपनी पहली रिलीज़ परदेस से पहले, उन्होंने अपने निर्देशक सुभाष घई की सिफारिश पर अपना नाम बदलकर महिमा चौधरी रख लिया, जो मानते थे कि 'एम' अक्षर उनकी फिल्मों में अग्रणी अभिनेत्रियों के लिए भाग्यशाली होता है।

वर्ष 2000 में प्रदर्शित फिल्म धड़कन में अपने बेहतरीन अभिनय के लिये महिमा सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से नामांकित की गयी।वर्ष 2006 में शादी करने के बाद महिमा चौधरी ने फिल्मों में काम करना कुछ कम कर दिया था। जब महिमा काम कर रही थीं, उसी दौरान उनका एक भयानक एक्सीडेंट भी हुआ था। फिल्म दिल क्या करे की शूटिंग के दौरान महिमा चौधरी का कार एक्सीडेंट हुआ था। उस दौरान उनके चेहरे में कांच के टुकड़े धंस गए थे. उस दौरान महिमा के चेहरे से कांच के 67 टुकड़े निकाले गए थे। वर्ष 2006 में महिमा ने बिजनेसमैन बॉबी मुखर्जी से शादी की थी, लेकिन वर्ष 2013 में दोनों का तलाक हो गया। महिमा की एक बेटी है जिसका नाम आर्यना है।

महिमा की जिंदगी में सिर्फ एक्सीडेंट ही नहीं, बल्कि एक और बड़ा चैलेंज ब्रेस्ट कैंसर के रूप में आया, लेकिन महिमा ने हिम्मत नहीं हारी और इस बीमारी से भी लड़ाई जीती। महिमा ने अपनी बेटी आर्यना का जिक्र करते हुए बताया था कि जब वो कैंसर से परेशान थीं, तब उनकी बेटी ने स्कूल जाना छोड़ दिया था, जिससे उनकी मम्मी को कोविड 19 का खतरा न हो। महिमा चौधरी अब पूरी तरह ठीक हो चुकी हैं। महिमा चौधरी ने अपने सिने करियर में लगभग 35 फिल्मों में अभिनय किया है। महिला चौधरी की इस वर्ष फिल्म इमरजेंसी प्रदर्शित हुयी है। उनके करियर की अन्य उल्लेखनीय फिल्मों में कुछ है। दाग द फायर, कुरूक्षेत्र, दिल क्या करे, लज्जा, दीवाने, खिलाड़ी 420, ओम जय जगदीश, दिल है तुम्हारा, सौतन, सहर, सैंडविच, बागबान आदि।

मुनव्वर फारूकी ने शुरू की 'फ़र्स्ट कॉपी 2' की डबिंग! कहा- इससे उम्मीदें आसमान छू रही हैं

मुंबईः स्टैंड-अप कॉमेडियन और बिग बॉस फेम मुनव्वर फारूकी ने अपनी आने वाली वेबसीरीज 'फ़र्स्ट कॉपी 2 ' की डबिंग शुरू कर दी है। स्टेज हो, स्ट्रीमिंग मंच हो या रिएलिटी टेलीविज़न हर जगह धाक जमा लेने के बाद अब मुनव्वर फारूकी लौट आए हैं डबिंग के कक्ष में। इस बार उनकी आवाज़ गूंजेगी बहु-प्रतीक्षित सिक्वल 'फ़र्स्ट कॉपी 2' में। पहला भाग, जिसमें एक आम आदमी का उठान और 'पायरेसी के बेताज बादशाह' बनने का किस्सा दिखाया गया

था, दर्शकों का फेवरेट बन गया था। अब जब दूसरा भाग बन रहा है, उम्मीदें भी आसमान छू रही हैं।

मुनव्वर फारूकी ने कहा, 'फ़र्स्ट कॉपी मेरे लिए कोई साधारण काम नहीं है। इस प्रोजेक्ट के लिए डबिंग करना ही मज़ेदार है क्योंकि लोग बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। इस किरदार की महत्वाकांक्षा से मैं खुद को जोड़ पाता हूँ वो भूख, हालात से ऊपर उठने की, मौके छीन लेने की जब दुनिया कहे कि कोई मौक़ा है ही नहीं। एक तरह से मैंने वही ज़िंदगी जी है, वही गलियों में जूझा हूँ जहाँ लोगों ने सोचा था कि टिकना नामुमकिन है। अपने नियम बना कर जीना, वही मेरा रास्ता रहा।

'फ़र्स्ट कॉपी 2' में कैनवास बड़ा है, लेकिन टकराव भी बड़े हैं। दांव इस बार ऊँचे हैं और लड़ाइयाँ और निजी महसूस होती हैं। ये अलग ही नशा है जब आप उस फ्रैंचाइज़ी का दूसरा भाग करते हैं जिसे जनता ने इतना प्यार दिया है।'मुनव्वर फारूकी कई परियोजनाओ में व्यस्त हैं।फिलहाल वह 'पति, पत्नी और पंगा' की शूटिंग कर रहे हैं, वहीं उनकी झोली में 'फ़र्स्ट कॉपी 2', 'अंगड़िया' और कुछ अन्य प्रोजेक्ट्स भी हैं।

नौ एनबीएफसी ने पंजीकरण प्रमाणपत्र लौटाएः रिजर्व बैंक

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि फोन-पे टेक्नोलॉजी सर्विसेज और आदित्य बिड़ला फाइनेंस सहित नौ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) ने विभिन्न कारणों से अपना पंजीकरण प्रमाणपत्र वापस कर दिया है।

एक अन्य विज्ञप्ति में, केंद्रीय बैंक ने कहा कि उसने 31 एनबीएफसी के पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) रद्द कर दिए हैं। फोन-पे टेक्नोलॉजी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पंजीकरण प्रमाणपत्र वापस कर दिया है।

आदित्य बिड़ला फाइनेंस ने मूल कंपनी के साथ विलय के बाद प्रमाणपत्र वापस किया है। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि आरबीजी लीजिंग एंड क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड और यशिला इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को जारी पंजीकरण प्रमाणपत्र को अपीलीय प्राधिकरण या न्यायालय द्वारा पारित आदेशों पर विचार करने के बाद बहाल कर दिया गया है। केंद्रीय

बैंक ने दोनों एनबीएफसी को रिपोर्टिंग आवश्यकताओं सहित लागू प्रावधानों और दिशानिर्देशों या निर्देशों का पालन करने की सलाह दी।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने VBYLD के दूसरे संस्करण की घोषणा की

नई दिल्ली। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वतंत्रता दिवस पर यह संकल्प लिया कि राजनीति में बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि के 1 लाख युवाओं को जोड़ा जाए। इसी प्रेरणा से नेशनल यूथ फेस्टिवल को नई सोच और नए रूप में पेश किया गया और इसका नाम विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग रखा गया था, जिसका पहला संस्करण वर्ष 2025 में आयोजित हुआ था। पिछले 25 वर्षों से चली आ रही पारंपरिक रूपरेखा को बदलते हुए, इसका उद्देश्य 15 से 29 वर्ष की आयुवर्ग वाले युवाओं को एक ऐसा राष्ट्रीय मंच देना था जहाँ वे अपने विचार और सपनों को सीधे प्रधानमंत्री जी के सामने रख सकें और विकसित भारत के निर्माण में भागीदार बन सकें।

VBYLD 2025 : पहला संस्करण, ऐतिहासिक शुरुआत

पहले ही साल में इस कार्यक्रम ने इतिहास रच दिया। विकसित भारत चैलेंज के ज़रिए देशभर के लगभग 30 लाख युवा भागीदारी हुए । इसमें से 2 लाख से अधिक युवाओं ने निबंध लिखे और 9,000 युवाओं ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी सोच और दृष्टि को प्रस्तुत किया। यह सफर दिल्ली के भारत मंडपम में आकर पूरा हुआ, जहाँ देशभर से आए 3,000 युवा बतौर

चेंजमेकर्स शामिल हुए। इनमें 1,500 युवा विकसित भारत चैलेंज ट्रैक से, 1,000 युवा कल्चर ट्रैक से और 500 पाथब्रेकर्स (युवा आइकॉन और अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाले) थे।

इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की गरिमामय उपस्थिति रही थी। उन्होंने पूरे छह घंटे युवाओं के साथ संवाद किया, उनके विचार सुने और उन्हें देश के भविष्य की जिम्मेदारी उठाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में कई दिग्गज हस्तियों ने भी युवाओं का उत्साह बढ़ाया, जिनमें नीति आयोग के अमिताभ कांत, इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ, उद्योग जगत के नेता आनंद महिंद्रा और रितेश अग्रवाल, पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स और वरिष्ठ पत्रकार पलकी शर्मा उपाध्याय शामिल थे। इन सभी ने अपने विचार और अनुभव साझा किए और युवाओं को विकसित भारत की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

VBYLD 2026 की शुरुआत

पहले संस्करण की बड़ी सफलता के बाद अब विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का दूसरा संस्करण (VBYLD - 2026) शुरू किया जा रहा है। इस बार पहले से अधिक युवाओं को इस अभिनव प्रयोग से जोड़ना, नए ट्रैक शुरू करना, ज़्यादा राज्यों और इलाकों तक पहुँचना एवं अन्य बड़े लक्ष्य तय करना, हमारा उद्देश्य है। इसकी घोषणा 13 सितंबर 2025 को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में हुई। यहाँ युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया जी ने मंत्रालय की सचिव और संयुक्त सचिव के साथ प्रेस को संबोधित किया।

अपने संबोधन में डॉ. मनसुख मांडविया जी ने कहा कि VBYLD ऐसा अनोखा मंच है, जहाँ भारत के युवा न केवल अपने विचार साझा कर सकते हैं बल्कि सीधे प्रधानमंत्री जी के सामने रख सकते हैं। यह सचमुच युवा आधारित लोकतंत्र का उदाहरण है, जहाँ विजन को आवाज़ और आवाज़ को असर में बदलने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि VBYLD युवाओं की ताकत और क्षमता को सही दिशा देने वाला मंच है, जो आने वाले भारत का ब्लूप्रिंट तैयार करता है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि आज के युवा केवल भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान के राष्ट्रनिर्माता हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि VBYLD सिर्फ़ एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक लगातार चलने वाला मंच है जो देशभर के युवाओं को जोड़ता है और उनकी नेतृत्व क्षमता को निखारता है। इसके ज़रिए नवाचार बढ़ता है, समाज मजबूत होता है और आत्मनिर्भर भारत का सपना पूरा होता है।

पाकिस्तान ने ओमान को 93 रनों से हराया!

दुबईः मोहम्मद हैरिस (66) की शानदार अर्धशतकीय पारी के बाद स्पिन आक्रमण के दम पर पाकिस्तान ने शुक्रवार को एशिया कप के चौथे मुकाबले में ओमान को 93 रनों से हरा दिया। 161 रनों के स्कोर के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओमान की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में कप्तान जतिंदर सिंह (एक) विकेट गंवा दिया। उन्हें सैम अयूब ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये हम्माद मिर्जा ने आमिर कलीम के साथ पारी संभालने का प्रयास किया।

चौथे ओवर में सैम अयूब ने आमिर कलीम (13) को पगबाधा आउटकर पाकिस्तान को दूसरी सफलता दिलाई। मोहम्मद नदीम (तीन) और सुफियान

महमूद एक रन बनाकर आउट हुये। नौवें ओवर में सुफियान मुकीम ने हम्माद मिर्जा 23 गेंदों में 27 रन को आउट किया। पाकिस्तान के स्पिन आक्रमण के आगे ओमान के बल्लेबाज बेबस नजर आये। 17वें ओवर की चौथी गेंद पर अबरार अहमद ने शकील अहमद (10) को आउटकर ओमान की पारी का 67 के स्कोर पर अंत कर दिया। इसी के साथ पाकिस्तान ने 93 रनों से यह मुकाबला जीत लिया।

पाकिस्तान के लिए सैम अयुब, सुफियान मुकीम और फहीम अशरफ ने दो-दो विकेट लिये। मोहम्मद नवाज, अबरार अहमद और शाहीन शाह अफरीदी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं और पहले ही ओवर में फैसला शाह ने सैम अयूब (शून्य) को अपना शिकार बना लिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मोहम्मद हैरिस ने साहिबजादा फरहान के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी हुई।

11वें ओवर में आमिर कलीम ने साहिबजादा फरहान (29) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये फखर जमान ने मोहम्मद हैरिस के साथ अपने पैर जाने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान 13वें ओवर में आमिर ने मोहम्मद हैरिस को बोल्ड कर पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया। मोहम्मद हैरिस ने 43 गेंदों में सात चौके तीन छक्के लगाते हुए 66 रन बनाये। इसके बाद आमिर ने अगली ही गेंद पर कप्तान आगा सलमान (शून्य) को चलता कर दिया। 17वें ओवर में शाह फैसल ने हसन नवाज (नौ) को आउटकर ओमान को पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद शाह फैसल ने 19वें ओवर में मोहम्मद नवाज (19) को आउटकर अपना तीसरा विकेट लिया। एक समय ऐसा लग रहा कि पाकिस्तान मैच में बड़ा स्कोर खड़ा करेगा, आमिर और शाह ने पाकिस्तान के मंसूबों पर पानी फेर दिया। आखिरी ओवर करने आये मोहम्मद नदीम ने फहीम अशरफ (आठ) को आउट किया। पाकिस्तान की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 160 रन का स्कोर बनाया। फखर जमान 16 गेंदों में 23 रन बनाकर नाबाद रहे। शाहीन शाह अफरीदी ने नाबाद दो रन बनाये। ओमान की ओर से आमिर कलीम ने तीन विकेट लिये। शाह फैसला को दो विकेट मिले। मोहम्मद नदीम ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

अयोग्य 97 लाख वाहनों को कबाड़ में बदलने से मिलेगा 40,000 करोड़ रुपये जीएसटीः गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि यदि देश में सभी 97 लाख अयोग्य एवं प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को कबाड़ में तब्दील कर दिया जाए तो केंद्र और राज्यों को जीएसटी के रूप में 40,000 करोड़ रुपये तक का लाभ होगा। उन्होंने बताया कि अगस्त महीने तक तीन लाख वाहन कबाड़ घोषित किए जा चुके हैं जिनमें 1.41 लाख सरकारी वाहन भी शामिल हैं।

गडकरी ने वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं के निकाय एक्मा के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमारे अनुमान के मुताबिक करीब 97 लाख वाहनों को कबाड़ में बदलने की जरूरत है। ऐसा होने पर 70 लाख नौकरियां पैदा होंगी और केंद्र एवं राज्यों को जीएसटी राजस्व के तौर पर करीब 40,000 करोड़ रुपये मिलेंगे।

उन्होंने निजी क्षेत्र से आग्रह किया कि वाहन को कबाड़ में देने यानी स्क्रैप का प्रमाणपत्र जमा करने वाले ग्राहकों को नए वाहन खरीदते समय कम से कम पांच प्रतिशत की छूट दें।

गडकरी ने कहा कि वर्तमान में हर महीने औसतन 16,830 वाहन स्क्रैप हो रहे

हैं और निजी क्षेत्र ने इस क्षेत्र में 2,700 करोड़ रुपये का निवेश किया है। सरकार ने पर्यावरण-अनुकूल तरीके से चलने के अयोग्य हो चुके एवं प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध ढंग से हटाने के लिए स्वैच्छिक वाहन बेड़ा आधुनिकीकरण कार्यक्रम (वी-वीएमपी) लागू किया हुआ है।

मोटर वाहन नियमों के तहत वाणिज्यिक वाहनों के लिए फिटनेस जांच कराना अनिवार्य है। यह जांच आठ साल तक हर दो साल पर करना होता है और फिर हर साल करना जरूरी होता है। निजी वाहनों के मामले में फिटनेस जांच 15 साल की अवधि पूरी होने के बाद करानी होती है। सरकारी वाहनों की उपयोग अवधि 15 साल के बाद समाप्त हो जाती है।

गडकरी ने ऊर्जा सुरक्षा एवं ईंधन आयात पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि भारत हर साल 22 लाख करोड़ रुपये के पेट्रोल-डीजल ईंधन का आयात करता है और कृषि से एथनॉल उत्पादन बढ़ाकर आयात पर निर्भरता कम की जा सकती है।

ई-20 पेट्रोल फिलहाल छोटे इंजन संशोधनों के साथ इस्तेमाल किया जा रहा है जबकि ई-27 की मिलावट के बारे में कोई निर्णय सभी जांच पूरे होने के बाद ही लिया जाएगा। उन्होंने सड़क सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 2023 में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं जिनमें 1.8 लाख लोगों की मौत हुई। इनमें 66 प्रतिशत लोग 18-34 वर्ष की उम्र के थे। गडकरी ने भारत को आने वाले पांच वर्षों में दुनिया का अग्रणी वाहन उद्योग का विश्वास भी जताया।

देश में हर महीने 100 विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक करा रहे पंजीकरणः सेबी

नई दिल्ली।बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की संख्या में वृद्धि हो रही है। एफपीआई की पूंजी निकासी की चिंताओं के बीच इन संस्थाओं की संख्या बढ़ रही है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण ने कहा कि हर महीने 100 विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक पंजीकरण करा रहे हैं और यह संख्या एक साल पहले की मासिक दर से ज्यादा है।

नारायण ने यहां निदेशक मंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''पंजीकरण की गति एक साल पहले की तुलना में तेज है।'' उन्होंने कहा कि एफपीआई की कुल संख्या अब 12,000 को पार कर गई है जबकि एक साल पहले यह संख्या 10,500 थी।

यह टिप्पणी इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि इस साल भारत में इक्विटी, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड और वैकल्पिक निवेश फंड सहित सभी क्षेत्रों में एफपीआई ने लगभग एक लाख करोड़ रुपये की निकासी की है।

पवन के बगैर जीत की पटरी पर लौटे तमिल थलाइवाज, बंगाल वारियर्स को 10 अंक से हराया!

जयपुरः कप्तान पवन सहरावत के बगैर ही तमिल थलाइवाज ने सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 30वें मुकाबले में बंगाल वारियर्स को 46-36 के अंतर से हरा दिया। लगातार दो हार के बाद थलाइवाज को जीत मिली है जबकि बंगाल को लगातार चौथी हार झेलनी पड़ी है।

थलाइवाज की जीत मे अर्जुन देसवाल (18), नरेंदर कंडोला (7) के साथ-साथ डिफेंस में रौनक (4), आशीष (3) और हिमांशु (3) ने डिफेंस मे अच्छा प्रदर्शन किया। बंगाल के लिए देवांक दलाल ने 13 अंक लिए जबकि अंकित ने डिफेंस से दो अंक लिए।

थलाइवाज ने 25 रेड प्वाइंट और डिफेंस में 15 प्वाइंट के साथ इस सीजन की अपनी दूसरी जीत पक्की की। सितारों की जंग में देसवाल और देवांक के कारण उनकी टीमों ने ढाई मिनट में रिव्यू गंवा दिया था।

छह मिनट के खेल के बाद हालांकि देसवाल के पांच अंकों की बदौलत थलाइवाज 6-2 से आगे थे औ? थलाइवाज का डिफेंस देवांक का शिकार कर चुका था। पुनित के टो टच के बाद बंगाल के डिफेंस ने डू ओर डाई रेड पर देसवाल को लपक देवांक को रिवाइव करा लिया। हिमांशु की रेड पर दोनो टीमों को एक-एक अंक मिला।

इस बीच चार के डिफेंस में देवांक डू ओर डाई रेड पर आए। सुरेश ने उनका शिकार कर 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 8-5 कर दिया। देसवाल बाहर थे लेकिन ब्रेक के बाद नरेंदर ने हरेंदर को आउट कर देसवाल को रिवाइव करा लिया। इस बीच आशीष ने पुनीत को लपक फासला दोगुना कर दिया। फिर नरेंदर ने अंकित को आउट कर बंगाल

को सुपर टैकल की स्थिति में ले आए। फिर देसवाल ने एक अंक लेकर बंगाल को दो खिलाड़ियों तक सीमित कर दिया। फिर थलाइवाज ने आलआउट लेकर 16-5 की लीड बना ली।

सात रेड में दो अंक लेने वाले देवांक को अगली रेड पर दो अंक मिल गए। इधर, देसवाल ने चौथे बोनस के साथ स्कोर 18-8 कर दिया। देवांक हालांकि अगली रेड रौनक द्वारा लपके गए। फिर देसवाल ने बोनस के साथ लीड को 13 तक पहुंचा दिया। अगली रेड पर हालांकि वह लपक लिए गए और फिर देवांक ने एक अंक ले लिया। हाफटाइम तक थलाइवाज को 23-11 की लीड मिली हुई थी।

हाफटाइम के बाद देवांक थलाइवाज को सुपर टैकल की स्थिति में लाए औ? फिर दो शिकार कर उसे आलआउट की ओर धकेला। बीते पांच मिनट में बंगाल ने देवांक और डिफेंस की बदौलत चार के मुकाबले 10 अंक लेकर वापस की राह पकड़ ली थी। बंगाल ने आलआउट लेते हुए स्कोर 18-26 कर लिया था। आलइन के बाद नरेंदर ने देवांक को लपक बंगाल को तगड़ा झटका दिया। बंगाल के डिफेंस ने हालांकि देसवाल को लपक हिसाब बराबर किया।

पुनीत को डैश कर हालांकि डिफेंस ने देसवाल को रिवाइव करा लिया। एक डिफेंडर भी बाहर गया औ? देवांक भी रिवाइव हो गए। इस बीच देवांक औ? देसवाल ने सुपर-10 पूरा किया। 30 मिनट के बाद थलाइवाज 33-22 से आगे थे। जैनकुन ली के बोनस के बाद देसवाल सेल्फ आउट हुए। देवांक का शिकार कर रौनक ने उन्हें रिवाइव करा लिया। वक्त बीता लेकिन अंतर नहीं घटा और 37वें मिनट में बंगाल के लिए फिर सुपर टैकल आन था। देवांक रिवाइव होकर आए औ? डिफेंस करते हुए आउट हो गए। उनका यह प्रयास उनकी हताशा और बंगाल के डिफेंस के खराब प्रदर्शन को दर्शाता है। रही-सही कसर थलाइवाज ने एक और आलआउट के साथ पूरी कर दी।

मध्य रेल

निविदा सूचना

निविदा संख्या: BB.C.144.M-UTS Sahayaks.2025

''मुंबई डिवीजन में सीएसएमटी स्टेशन पर 31.08.2026 तक की अवधि के लिए पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर 16 एम-यूटीएस सहायकों की नियुक्ति'' सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर, पहली मंजिल, पीआरएस बिल्डिंग (रिजर्वेशन ऑफिस), मुंबई सीएसएमटी, सेंट्रल रेलवे, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुंबई डिवीजन में पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर सीएसएमटी स्टेशन पर 16 एम-यूटीएस सहायकों की नियुक्ति के लिए इच्छुक आवेदकों से निर्धारित प्रारूप में मुहरबंद आवेदन आमंत्रित करते हैं। **श्रेणी स्टेशन:** एनएसजी-1 **अनुबंध अवधि:** 01 वर्ष **आवेदन प्रपत्र शुल्क:** ₹500/- **आवश्यक जमानत राशि:** ₹10,000/- **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन **आवेदन पत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय:** 17:00 बजे तक, 15.09.2025 **आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 15:00 बजे तक 16.09.2025 **आवेदन खोलने की तिथि एवं समय:** 15:30 बजे, 16.09.2025 **अनुबंध अवधि:** रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार पायलट परियोजना के अंतर्गत एक (1) वर्ष, अर्थात् **31.08.2026** तक। आवेदन पत्र उपरोक्त कार्यालय से खरीदे जा सकते हैं। निविदा से संबंधित पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.cr.indianrailways.gov.in** पर भी उपलब्ध है। निविदा दस्तावेज वेबसाइट से डाउनलोड भी किए जा सकते हैं।

एसीएम (टीसी) मंरेप्र (सीएसएमटी) 451

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

बल्कहेड का रुपांतरण

खुली निविदा संख्या : KWV-RSP-FOLDABLE-BULK-1 तिथी 11.09.2025

कार्य का विवरण :12 महीने की अवधि के लिए कुर्दुवाड़ी कार्यशाला के परिसर के भीतर बीआरएन/बीआरएनए/बीआरएनएएचएस/बीआर एन 22.9 टी वैगनों में फिक्स्ड बल्कहेड से फोल्डेबल बल्कहेड में रुपांतरण। **अनुमानित लागत** : 7211137.57/-, **निविदा प्रपत्र का शुल्क** : कुछ नही, **ईएमडी** : रु. 144200.00/-, **समापन अवधी** : 12 माह। निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं अवधि दि. 03.10.2025 को 01.00 बजे तक है। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की अधिकारीक वेबसाइट http://www.ireps.gov.in 463

रेल्वे फाटक को बंद स्थिति में पार करना मना है

मध्य रेल

कार्य अनुबंध

निविदा सूचना क्र. : आरआर/पीआर/एसएनपीडी/329/25-26/30

कार्य का विवरण : एसएनपीडी पीओएच कार्यशाला में ईएमयू कोचों में एक तरफ कॉम्प्रेग चेकर्ड प्लाईवुड और दोनों तरफ कॉम्प्रेग प्लेन प्लाईवुड की आपूर्ति सहित कैटवॉक की स्ट्रिपिंग और फिटिंग के लिए कार्य अनुबंध। **अनुमानित लागत** : रु. 3512152/-, **ईएमडी** : रु. 70200/-, **निविदा प्रपत्र का शुल्क** : रु. 0/-, **समापन अवधी** : 24 महीना। **निविदा जमा करने की तिथि एवं अवधी** : 25.09.2025, 14.30 बजे तक। **बोली शुरू करने की तारीख** : 28.08.2025। टेंडर केवल ई टेंडरिंग में वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। टेंडर पंजिका वेबसाइट में उपलब्ध है। 457

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

सुशीला कार्की ने संभाली नेपाल की कमान तो पीएम नरेंद्र मोदी ने दे दिया बड़ा बयान, समझिये मायने

नई दिल्ली। नेपाल के राजनीतिक संकट ने जिस तेज़ी से करवट ली, उसने पूरे दक्षिण एशिया का ध्यान खींचा। के.पी. शर्मा ओली के इस्तीफे और उसके बाद हिंसक प्रदर्शनों से उपजी अराजकता ने नेपाल को अनिश्चितता के गर्त में धकेल दिया था। लेकिन ठीक इसी समय देश की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में चुना जाना एक ऐतिहासिक कदम है। कार्की न केवल नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं, बल्कि उनके नेतृत्व को नेपाली युवाओं और लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वीकृति भी प्राप्त है।

नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने कार्की को शपथ दिलाकर यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक अस्थिरता के बीच अब एक संवैधानिक और लोकतांत्रिक समाधान सामने आया है। छह महीने के भीतर चुनाव कराने का जिम्मा कार्की सरकार के पास है और यह जिम्मेदारी आसान नहीं होगी। नेपाल में भ्रष्टाचार, आर्थिक असमानता और सामाजिक अशांति जैसी चुनौतियाँ उनके सामने हैं।

भारत ने इस नए राजनीतिक बदलाव पर तुरंत प्रतिक्रिया दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्की को शपथ ग्रहण पर बधाई देते हुए कहा कि भारत नेपाल के शांति, स्थिरता और प्रगति के प्रयासों में हर कदम पर सहयोग करेगा। मोदी का यह वक्तव्य केवल एक औपचारिक संदेश नहीं, बल्कि नेपाल को लेकर भारत की साझी

विरासत और विश्वास की नीति को दर्शाता है।

महत्वपूर्ण यह भी है कि मोदी ने मणिपुर की धरती से नेपाल को संदेश दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'आज मणिपुर की इस धरती से मैं नेपाल के मेरे साथियों से भी बात करूंगा। हिमालय की गोद में बसा नेपाल, भारत का एक मित्र है, करीबी दोस्त है। हम साझा इतिहास से जुड़े हैं। आस्था से जुड़े हैं। साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। मैं आज नेपाल में अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने पर 140 करोड़ भारतवासियों की ओर से श्रीमती सुशीला जी को हार्दिक बधाई देता हूं। मुझे विश्वास है कि वे नेपाल में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी। नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में सुशीला जी का आना, महिला सशक्तिकरण का बहुत उत्तम उदाहरण है। मैं आज नेपाल में ऐसे हर एक व्यक्ति की सराहना करूंगा जिसने ऐसे अस्थिरता भरे माहौल में भी लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखा है।'

देखा जाये तो प्रधानमंत्री का यह संदेश प्रतीकात्मक रूप से भारत-नेपाल के गहरे सांस्कृतिक और भौगोलिक जुड़ाव को रेखांकित करता है। भारत जानता है कि नेपाल की स्थिरता उसकी अपनी सुरक्षा और विकास से भी जुड़ी है। इसलिए भारत का यह भरोसा कि वह नेपाल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा, काठमांडू की नई सरकार के लिए बड़ी ताकत है।

हम आपको यह भी बता दें कि सुशीला कार्की का वाराणसी से नाता और लोकतांत्रिक आंदोलनों से उनकी पुरानी सक्रियता उन्हें भारत के और करीब लाती है। ऐसे समय में जब नेपाल ने अशांति और राजनीतिक अनिश्चितता का सामना किया है, उनका नेतृत्व न केवल लोकतांत्रिक पुनर्निर्माण का संकेत है बल्कि महिला सशक्तिकरण की मिसाल भी है। नेपाल के लिए आने वाले महीने बेहद निर्णायक होंगे। अगर कार्की सरकार लोकतांत्रिक चुनाव की दिशा में पारदर्शिता और स्थिरता कायम कर पाती है, तो यह न केवल नेपाल बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के लिए एक सकारात्मक संदेश होगा। भारत का सहयोग इस राह को और आसान बना सकता है।

पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग पर टैक्स में 50 प्रतिशत तक की छूट

पटना। बिहार सरकार ने पुराने और अनुपयोगी वाहनों की स्क्रैपिंग को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। परिवहन विभाग ने 15 साल से अधिक पुराने निजी वाहनों के मालिकों को टैक्स में 50 प्रतिशत तक की छूट देने का फैसला लिया है। इसके साथ ही वाणिज्यिक वाहनों पर भी 50 प्रतिशत टैक्स में छूट का ऐलान किया गया है। राज्य सरकार पहले से ही स्क्रैपिंग कराने वाले वाहन स्वामियों को कई रियायतें दे रही है। स्क्रैपिंग के बाद प्राप्त प्रमाण पत्र, सीओडी के आधार पर नए वाहनों के पंजीकरण और बकाया टैक्स में वाहन मालिकों को एकमुश्त छूट दिया जा रहा है। इसके साथ पुराने वाहनों पर पूर्व से लंबित देनदारियों और अर्थदंड में एकमुश्त छूट देने का प्रावधान है। गैर परिवहन और परिवहन वाहन के देनदारियों में 90 प्रतिशत और अर्थदंड में 100 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

निजी वाहनों के लिए स्क्रैपिंग प्रक्रिया

निजी वाहनों के लिए स्क्रैपिंग के लिए वाहन स्वामियों को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के पोर्टल पर आवेदन करना होगा। आवेदन के बाद आरवीएसएफ सेंटर वाहन को खरीदकर स्क्रैप करेंगे। बिहार में इसके लिए दो स्क्रैपिंग सेंटर उपलब्ध हैं–पटना में निलियम स्क्रैपिंग सेंटर और वैशाली में एसके इंटरप्राइजेज।

मोदी का मणिपुर दौरा जमीनी हकीकत से ज्यादा प्रधानमंत्री की 'छवि' पर केंद्रितः गौरव गोगोई

नई दिल्ली। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर का दौरा करने में 'दो साल की देरी' के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर शनिवार को निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री की यह यात्रा राज्य की जमीनी हकीकत के बजाय उनकी छवि पर अधिक केंद्रित है।

गोगोई ने कहा कि मई 2023 में जब मणिपुर में जातीय हिंसा भड़की थी, तब मोदी का दौरा राज्य में शांति बहाली की दिशा में पहला कदम होना चाहिए था। मणिपुर में मेइती और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 260 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। विपक्षी दल राज्य का दौरा न करने के लिए प्रधानमंत्री की लगातार आलोचना कर रहे थे।

गोगोई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी का दो साल पहले मणिपुर का दौरा करना राज्य में शांति बहाली और स्थिति सुधारने के सफर में पहला कदम होना चाहिए था।'

उन्होंने लिखा, 'अब दो साल की देरी के बाद, उनकी यात्रा मुख्य रूप से पूर्वोत्तर की भावनाओं का सम्मान करने के लिए होनी चाहिए। लेकिन, रुख बिल्कुल असंवेदनशील है और यात्रा जमीनी हकीकत के बजाय प्रधानमंत्री की छवि पर केंद्रित है।'

मोदी ने कुकी-जो बहुल चूड़ाचांदपुर और मेइती समुदाय का गढ़ कहलाने वाले इंफाल की अपनी यात्रा के दौरान दोनों जगहों पर आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से मुलाकात की। उन्होंने दोनों शहरों में जनसभाओं को भी संबोधित किया और राज्य के लिए 8,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की।

मुरैना पहुंचे सिंधिया का हज़ारों लोगों ने किया भव्य स्वागत, पूरा शहर उत्सव में डूबा

ग्वालियर/भोपाल। केंद्रीय संचार एवं उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के शनिवार को मुरैना आगमन पर हज़ारों नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने अभूतपूर्व स्वागत किया। जगह-जगह पुष्पवर्षा, ढोल-नगाड़ों की थाप और गगनभेदी नारों ने माहौल को उत्सवमय बना दिया। सिंधिया ने जनता के इस अपार स्नेह और आशीर्वाद को अपनी सबसे बड़ी शक्ति और सेवा का संकल्प बताते हुए कहा कि यह प्रेम, विश्वास और आशीर्वाद ही मेरी असली पूंजी है।

सुकन्या समृद्धि योजना का विस्तार और पासपोर्ट सेवा केंद्र का उद्घाटन

मुरैना प्रवास के दौरान सिंधिया ने प्रधान डाकघर में पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र (झ्झ्एख्) का शुभारंभ किया और सुकन्या समृद्धि योजना के विस्तार की

घोषणा की।

उन्होंने कहा कि बेटियाँ समाज को गढ़ने का कार्य करती हैं और यह योजना केवल बैंक खाता नहीं, बल्कि माता का आत्मविश्वास, पिता का गर्व और पूरे समाज का भरोसा है। साथ ही उन्होंने विश्वास दिलाया कि नवनिर्मित पासपोर्ट सेवा केन्द्र से क्षेत्र के युवाओं और नागरिकों को न केवल सहूलियत, बल्कि अवसर भी प्राप्त होंगे।

भाजपा जिला कार्यालय में बैठक, संगठन की मजबूती पर बल

सिंधिया ने मुरैना स्थित भाजपा जिला कार्यालय में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस अवसर पर उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती और जनता की सेवा सबसे बड़ी प्राथमिकता है और प्रत्येक कार्यकर्ता को इसके लिए निरंतर सक्रिय रहना होगा।

'मेरी मुरैना की जनताष्ठ मैं आपका हूँ और आप मेरे हो!'

सभा को संबोधित करते हुए सिंधिया ने जनता के साथ अपने गहरे रिश्ते को भावुक शब्दों में व्यक्त किया। उन्होंने कहा 'मेरी मुरैना की जनताष्ठ मैं आपका हूँ और आप मेरे हो!' उनके इन शब्दों से सभा स्थल तालियों और नारों से गूंज उठा। उपस्थित कार्यकर्ताओं और नागरिकों की आँखों में उत्साह और आत्मीयता की चमक साफ झलक रही थी। सिंधिया ने स्पष्ट किया कि उनका हर कदम और प्रयास केवल जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास को समर्पित है।

ममता ने सुशीला कार्की को नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई दी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को नेपाल में अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने पर सुशीला कार्की को बधाई दी। नेपाल की पूर्व प्रधान न्यायाधीश कार्की शुक्रवार रात अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने वाली देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बन गईं।

इसके साथ ही, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के बाद देशव्यापी आंदोलन के कारण के पी शर्मा ओली सरकार के इस्तीफा देने के लिए मजबूर होने के बाद कई दिन से जारी राजनीतिक अनिश्चितता का अंत हो गया।

बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैं माननीय श्रीमती सुशीला कार्की को नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। पश्चिम बंगाल की सीमाएं नेपाल से लगती हैं और दोनों देशों के लोगों के बीच घनिष्ठ संबंध हैं। हम पड़ोसी देशों के रूप में मित्रता एवं सहयोग के गहरे संबंधों को और मजबूत करने के लिए तत्पर हैं।'' राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने ओली के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के तीन दिन बाद शुक्रवार शाम 73 वर्षीय कार्की को पद की शपथ दिलाई।

चीन पर टैरिफ, रूस पर बैन, यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए ट्रंप ने नाटो को सुझाया प्लान

वांशिगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगियों से मास्को पर दबाव बनाने और चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए व्यापक सामूहिक कार्रवाई करने का आह्वान किया है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ट्रुथ सोशल पर एक कड़े शब्दों वाले पोस्ट में, ट्रंप ने नाटो देशों से आग्रह किया कि वे रूसी तेल खरीदना बंद कर दें और युद्ध समाप्त होने तक चीन पर 50इ से 100इ तक भारी शुल्क लगाएँ। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार है, लेकिन केवल तभी जब सभी नाटो सहयोगी भी इसी तरह के उपायों के लिए प्रतिबद्ध हों। उन्होंने युद्ध प्रयासों के प्रति नाटो की अपर्याप्त प्रतिबद्धता को संबोधित करते हुए लिखा मैं भी आपके साथ जाने के लिए तैयार हूँ। बस बताइए कब?

उन्होंने कई नाटो देशों की रूसी तेल खरीद जारी रखने के लिए आलोचना की और कहा कि इससे गठबंधन की मास्को के साथ बातचीत करने की क्षमता कमज़ोर होती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सभी नाटो देशों और विश्व को भेजा गया एक पत्र' शीर्षक वाले एक पत्र-शैली के संदेश में, पूर्व राष्ट्रपति ने ज़ोर देकर कहा कि समन्वित प्रतिबंधों और व्यापार उपायों से संघर्ष का शीघ्र अंत हो सकता है। ट्रंप ने लिखा कि यह घातक, लेकिन हास्यास्पद युद्ध, अगर उनकी

सिफारिशों का पालन किया गया, तो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा।

ट्रंप ने आगे तर्क दिया कि चीन का रूस पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और उन्होंने प्रस्ताव दिया कि नाटो द्वारा चीनी वस्तुओं पर लगाए गए उच्च शुल्क इस प्रभाव को कमज़ोर कर देंगे। उन्होंने कहा कि ये शुल्क युद्ध समाप्त होने तक लागू रहने चाहिए और शांति बहाल होने पर पूरी तरह से हटा दिए जाएँगे।

तिब्बत के पूर्व पीएम का दावा- नेपाल के मुद्दों में हस्तक्षेप कर रहा चीन; भारत को भी किया आगाह

नई दिल्ली। तिब्बत के पूर्व निर्वासित प्रधानमंत्री लोसांग सांग्ये ने चीन पर दक्षिण एशिया में लगातार बढ़ते हस्तक्षेप का आरोप लगाया है। उन्होंने खासतौर पर नेपाल में चीनी दूतावास और उसके अधिकारी स्थानीय राजनीतिक और प्रशासनिक मामलों में सीधे हस्तक्षेप करने का दावा किया है। सांग्ये ने कहा, कई लोग कहते हैं कि काठमांडो में चीनी दूतावास भारतीय या अमेरिकी दूतावास से भी ज्यादा प्रभावशाली है।

सांग्ये ने चीन की विस्तारवादी नीतियों पर गंभीर चिंता जताई और भारत को सतर्क रहने की सलाह दी है। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत कई दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की तरह चीन के साथ अपने व्यापारिक और राजनयिक संबंध बनाए रखने के लिए तिब्बत मुद्दे से बच रहा है? इस पर सांग्ये ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि भारत भी यही रवैया अपना रहा है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चीन इस क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार करने के भारत के प्रयासों को रोकने के लिए व्यवस्थित रूप से काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि चीन हर उस जगह भारत को शह और मात देने के लिए मौजूद रहता है। जहां भारत अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है। सिर्फ तिब्बत या सीमा की बात नहीं है। दक्षिण-पूर्व एशिया हो या मध्य एशिया जहां-जहां भारत संबंध मजबूत करना चाहता है, चीन वहां

अवरोध खड़ा कर देता है।

सांग्ये ने आगाह किया कि तिब्बत जैसा हाल अन्य देशों का भी हो सकता है। उन्होंने कहा, जो तिब्बत के साथ हुआ, वही आपके साथ भी हो सकता है। अगर आप तिब्बत को समझेंगे नहीं, उसका अध्ययन नहीं करेंगे, तो वही परिणाम भुगतने पड़ेंगे। उनके अनुसार नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका तक में चीन की राजनीतिक पकड़ मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि चीन का असली मकसद एशिया में भारत को पीछे धकेलना है।

चीन भारत को नंबर दो पर धकेलना चाहता है- सांग्ये

सांग्ये ने कहा, दुनिया में नंबर एक बनने के लिए पहले एशिया में नंबर एक होना पड़ेगा, इसलिए चीन भारत को नंबर दो पर धकेलना चाहता है। उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की तिब्बत यात्राओं को भी भारत के लिए संदेश बताया। उनके अनुसार, जिनपिंग ने तिब्बत में सैनिकों को दिए भाषणों में भारत की ओर आक्रामकता की तैयारी का संकेत दिया। कहा, पहली यात्रा में उन्होंने सैनिकों से कहा था कि युद्ध या घुसपैठ के लिए तैयार रहो। दूसरी यात्रा का भाषण सार्वजनिक नहीं किया गया, क्योंकि उसी समय प्रधानमंत्री मोदी बीजिंग में थे, लेकिन आशंका है कि वही संदेश दोहराया गया होगा।

सांग्ये ने यह भी याद दिलाया कि जब-जब भारत और चीन के बीच संबंधों में 'थोड़ी नरमी' आई, तब-तब तिब्बती समुदाय पर दबाव बढ़ा। उन्होंने 2018 का उदाहरण दिया जब तिब्बती प्रशासन ने 'थैंक यू इंडिया' कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई थी, लेकिन चीन के दबाव में भारत सरकार ने नेताओं को उसमें शामिल न होने की सलाह दी। हालांकि, उन्होंने साफ कहा कि भारत तिब्बती समुदाय का सबसे बड़ा सहारा रहा है। चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में रही हो, भारत ने हमेशा तिब्बतियों का समर्थन किया है। तिब्बती पहचान, शिक्षा और धार्मिक संस्थानों का संरक्षण भारत की वजह संभव हुआ है।

मक्का और मदीना में मिसाइल? क्या मुस्लिम देशों में आपस में ही छिड़ी जंग

मक्का। इजरायल ने कतर को निशाना बनाया। दोहा में हमास के लीडर्स को मार गिराया। ऐसे में कतर के समर्थन में हूती विद्रोही खड़ा हुआ। उसने इजरायल पर पलटवार करते हुए मिसाइलें दागी। लेकिन हूती विद्रोहियों की मिसाइलें सऊदी अरब के मक्का और मदीना तक पहुंच गई। ऐसे में हड़कंप मच गया। हालांकि इन मिसाइलों को सऊदी अरब के एयर डिफेंस सिस्टम ने तुरंत ही हवा में ढेर कर दिया। बता दें कि सऊदी अरब के मदीना में 11 सितंबर की सुबह कई इलाकों में जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी गई। कुछ निवासियों ने आकाश में मिसाइल जैसी वस्तु देखने की भी सूचना दी, जिससे घटना के कारण के बारे में व्यापक अटकलें लगाई जाने लगीं। सोशल मीडिया पर वायरस वीडियो में पैगंबर की मस्जिद के पास सुबह 5:43 बजे एक चमकदार, अज्ञात वस्तु देखी गई, जिससे चिंता बढ़ गई। फ़ज्र की नमाज़ के दौरान मस्जिद अल शोहदा में मौजूद एक नमाज़ी ने कहा कि फ़ज्र के ठीक बाद, मैं मस्जिद में था जब आसमान में ज़ोरदार धमाकों की आवाज़ गूंजी। बाहर निकलकर मैंने मस्जिद के पास जलता हुआ मलबा गिरते देखा। एक अन्य निवासी ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि मैंने अभी मदीना में एक ज़ोरदार धमाका सुना - एक मिसाइल को रोक दिया गया, अल्हम्दुलिल्लाह।

फ़ज्र के दौरान मस्जिद अन नबवी की छत पर मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि मैंने एक बहुत तेज़ 'धमाका' सुना। हम सब सुरक्षित और स्वस्थ थे। एक और नमाज़ी ने बताया कि यह खबर सच्ची है, वल्लाही। फ़ज्र के बाद, मैं और मेरा भाई पैगंबर को सलाम पेश करने गए। जैसे ही हम बाहर निकले, हमें एक तेज़ आवाज़ सुनाई दी। गुंबद-ए-खज़रा की ओर मुड़ते ही हमें एक मिसाइल जैसी चीज़ दिखाई दी। कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने ऐसा पहले कभी न देखा था और न ही सुना था। इन रिपोर्टों के बावजूद, सऊदी अधिकारियों की ओर से विस्फोट के कारण की पुष्टि के लिए कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सोशल मीडिया पर कुछ अपुष्ट स्रोतों ने अनुमान लगाया है कि यह वस्तु हूथी बलों द्वारा दागी गई मिसाइल हो सकती है, जो संभवतः इज़राइल को निशाना बनाकर दागी गई थी, लेकिन ऐसे दावे अभी तक पुष्ट नहीं हुए हैं।

बढ़ती अटकलों के जवाब में आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट इनसाइड द हरमैन ने घटना को स्वीकार किया और जनता से आग्रह किया कि जब तक अधिकारियों द्वारा पुष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं करा दी जाती, तब तक वे कोई भी अनुमान लगाने से बचें। यह घटना गाजा में चल रहे संघर्ष तथा यमन और कतर में हाल ही में हुए सैन्य हमलों के कारण बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच हुई है।

5 मार्च को नेपाल में होगा अगला संसदीय चुनाव, राष्ट्रपति कार्यालय ने दी जानकारी

काठमांडू। नेपाल में अगले संसदीय चुनाव 5 मार्च को होंगे, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के कार्यालय ने घोषणा की है। यह घोषणा एक सप्ताह तक चले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद की गई है, जिसके कारण केपी. शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा और सुशीला कार्की देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। राष्ट्रपति पौडेल ने शुक्रवार को नवनियुक्त प्रधानमंत्री की सिफारिश पर प्रतिनिधि सभा को भंग करते हुए कहा कि अगला संसदीय चुनाव 5 मार्च को होगा। पूर्व मुख्य न्यायाधीश कार्की (73) ने देश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ व्यापक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद इस सप्ताह ओली के अचानक इस्तीफे के बाद कई दिनों से चली आ रही राजनीतिक अनिश्चितता का अंत हो गया। विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई में कम से कम 19 लोगों की मौत के लिए उनके इस्तीफे की मांग करते हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के उनके कार्यालय में घुसने के तुरंत बाद ओली ने पद छोड़ दिया।

प्रधानमंत्री अपने शपथ ग्रहण समारोह के दो दिन बाद रविवार को एक छोटा मंत्रिमंडल गठित करेंगी, क्योंकि शनिवार को कार्यालय बंद रहेंगे। कार्की के पास गृह, विदेश और रक्षा सहित लगभग दो दर्जन मंत्रालय होंगे। राष्ट्रपति कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री रविवार को पदभार ग्रहण करने के बाद कुछ मंत्रियों को शामिल करते हुए एक मंत्रिपरिषद का गठन करेंगी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, दो दिवसीय आंदोलन के दौरान सिंह दरबार सचिवालय स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में आग लगा दी गई थी, इसलिए सिंह दरबार परिसर में गृह मंत्रालय के लिए नवनिर्मित भवन को प्रधानमंत्री कार्यालय के लिए तैयार किया जा रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)